राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर, दुर्ग एवं जगदलपुर से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 01, अंक 14 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये जगदलपुर, शुक्रवार 20 मार्च 2026 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

बेकाबू डंपर की टक्कर से बाइक सवार पति-पत्नी की मौत

गोरखपुर। तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आए नव दंपती और दो बच्चियां गंभीर रुप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से खोराबार थाना पुलिस दंपती को बीआरडी मेडिकल कॉलेज के नेहरु अस्पताल और बच्चियों को एम्स ले गई। रात में उपचार के दौरान दंपती की मौत हो गई। खोराबार थाना पुलिस ने डंपर को कब्जे में ले लिया है चालक की तलाश चल रही है। रामपुर डाड़ी निवासी मितेश की एक माह पहले शादी हुई थी। मंगलवार की शाम पत्नी सोनम और भाई अंकेश की बेटी तन्नू व खुशी को साथ लेकर मितेश नौकायन घूमने आए थे। रात करीब आठ बजे पत्नी व दोनों भतीजी को बाइक से लेकर घर लौट रहे थे। देवरिया बाईपास फोरलेन पर सिक्टौर में करमहिया टोला के पास पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में नव दंपती सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

होर्मुज के रास्ते भारत आया एक और जहाज, 80,886 मीट्रिक टन कच्चा तेल लेकर गुजरात पहुंचा

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बावजूद भारत के लिए एलपीजी और कच्चा तेल लेकर आए भारतीय ध्वज वाले टैंकर सुरक्षित रूप से गुजरात के बंदरगाहों तक पहुंच रहे हैं। इससे ऊर्जा आपूर्ति को लेकर तत्काल राहत मिली है। गुजरात के मुंद्रा स्थित अदाणी पोर्ट्स पर भारतीय ध्वज वाले क्रूड ऑयल टैंकर जग लाडकी का आगमन हुआ। यह टैंकर संयुक्त अरब अमीरात से कच्चा तेल लेकर पहुंचा है। टैंकर में करीब 80,886 मीट्रिक टन कच्चा तेल लदा था, जिसे फुजैराह बंदरगाह से लोड किया गया था। खास बात यह है कि जहाज उसी दिन रवाना हुआ था, जब फुजैरा के तेल टर्मिनल पर हमला हुआ था। शिवालिक और नंदा देवी के बाद यह भारत पहुंचने वाला तीसरा जहाज है। यह जहाज फारस की खाड़ी से अरब सागर को जोड़ने वाले अहम समुद्री रास्ते होर्मुज से होकर भारत पहुंचा।

अब फ्लाइट में 60 प्रतिशत सीटों पर नहीं देना होगा चार्ज, केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने यात्रियों की सुविधा और पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मंत्रालय ने कहा है कि एयरलाइंस को सीट आवंटन प्रक्रिया को अधिक यात्री-अनुकूल बनाना होगा, जिसमें एक ही पीएनआर पर यात्रा करने वाले यात्रियों को यथासंभव साथ या नजदीकी सीटों पर बैठाने की व्यवस्था की जाए। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय द्वारा जारी इन निर्देशों में यात्रियों के अधिकारों को मजबूत करने और सभी एयरलाइंस में एक समान व्यवस्था लागू करने पर जोर दिया गया है। हालांकि, कम से कम 60 प्रतिशत सीटें मुफ्त देने जैसी कोई बाध्यता स्पष्ट रूप से लागू नियम के रूप में नहीं बताई गई है; सीट आवंटन को पारदर्शी और उचित बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

एसआईआर पर स्थगन

सभापति ने नहीं दी चर्चा की अनुमति, विपक्ष का वाकआउट

- सलवा जुडूम के कारण दूसरे राज्यों में गए लोगों का नाम भी मतदाता सूची से उड़ा

रायपुर। संवाददाता

विधानसभा में आज एसआईआर अंतर्गत छत्तीसगढ़ के 19 लाख से अधिक मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से कट जाने का आरोप लगाते हुए विपक्ष ने इस पर स्थगन लाया। विपक्ष का आरोप रहा कि सलवा जुडूम के कारण जो लोग छत्तीसगढ़ से बाहर जाकर आंध्रप्रदेश और तेलंगाना में रहने लगे उनका भी नाम मतदाता सूची से उड़ गया। सभापति ने विषय भारत निर्वाचन आयोग से संबद्ध होने का हवाला देते हुए स्थगन पर चर्चा की अनुमति देने से इंकार कर दिया। विरोध में सारे कांग्रेस विधायक नारेबाजी करते हुए सदन से वाक आउट कर गए। शून्यकाल के दौरान नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 (एस.आई.आर.) का कार्यक्रम पूर्ण हो जाने पर अर्हता तिथि के अनुसार वोटर लिस्ट का अंतिम प्रकाशन 21 फरवरी 2026 को हुआ। अंतिम प्रकाशन के अनुसार जीवित मतदाताओं के कुल 19 लाख 13 हजार 450 नाम काट दिये गए। इससे राज्य के मतदाताओं की संख्या 2 करोड़ 12 लाख 30 हजार 737 से घटकर 1 करोड़ 87 लाख 30 हजार 914 रह गई है। इसमें 2 लाख 34 हजार 994 नये मतदाता भी शामिल हैं। मतदाताओं की संख्या में कमी होने का प्रमुख कारण उनका अन्यत्र चले जाना अथवा अनुपस्थित होना बताया जा रहा है। यह कारण कतई विश्वसनीय नहीं है। जानबूझकर कतिपय वर्ग विशेष के मतदाताओं के नाम बड़ी संख्या में फार्म नं. 7 भरकर हटवाए या कटवाए गए हैं। बस्तर क्षेत्र मे 2005 में नक्सलवाद के खिलाफ शुरू हुए सलवा जुडूम के कारण 1 लाख से अधिक व्यक्ति राज्य के बाहर जाकर आंध्रप्रदेश और तेलंगाना के तीन सौ गांवों में रहने लगे थे। इनका भी नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं हो सका। राज्य शासन अपने राज्य के मतदाताओं के संवैधानिक अधिकारों की संरक्षा करने के अपने कानूनी दायित्वों का पालन करने में पूरी तरह से विफल रही है। इस संबंध में विपक्ष की ओर से स्थगन प्रस्ताव दिया गया है, जिसे स्वीकार कर चर्चा कराएं। भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि एसआईआर में छत्तीसगढ़ सरकार की सीधे तौर पर कोई भूमिका नहीं थी। यह भारत निर्वाचन आयोग व्दारा संचालित है। किसी भी वैधानिक संस्था पर चर्चा की अनुमति इस सदन में नहीं दी जा सकती। कांग्रेस वो पार्टी है जो लोकसभा अध्यक्ष एवं मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफभी अविश्वास प्रस्ताव ले आती है। एसआईआर राज्य का विषय ही नहीं है इसलिए उस पर चर्चा करना निरर्थक है। एसआईआर जनहित का विषय नहीं है और इस पर कोई बात रिकॉर्ड में नहीं आनी चाहिए। (शेष पृष्ठ 3 पर)

संगीता सिन्हा ने बालिकाओं व महिलाओं के गुम होने का मामला सदन में उठाया

रायपुर। विधानसभा में आज प्रदेश में लगातार बालिकाओं एवं महिलाओं के गुम होने की घटनाओं पर कांग्रेस विधायक श्रीमती संगीता सिन्हा ने चिंता जताते हुए सवाल खड़े किए।प्रश्नकाल में श्रीमती संगीता सिन्हा का सवाल था कि जनवरी 2023 से 31 जनवरी 2026 तक प्रदेश में बालिकाओं एवं महिलाओं के गुम होने, अपहरण एवं बहला-फुसलाकर ले जाने की कितनी सूचनाएं थानों में प्राप्त हुई हैं? कितने प्रकरणों पर गुमशुदगी एवं अपहरण के मामले दर्ज किये गए एवं कितने में नहीं? उप मुख्यमंत्री (गृह) विजय शर्मा की ओर से जवाब आया कि प्रश्नाधीन अवधि में आई जो भी सूचनाएं आईं उन पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। बालिकाओं को ढूंढने के लिए ऑपरेशन मुस्कान एवं महिलाओं हेतु ऑपरेशन तलाश चलाया जा रहा है। समस्त प्रकरणों में गुम बालिकाओं एवं महिलाओं के ईशतहार जारी कराया गया है। समाधान मोबाईल एप के माध्यम से जानकारी प्रसारित कर शेष बालिकाओं एवं महिलाओं को ढूंढने का हरसंभव प्रयास किया जा रहा है। श्रीमती संगीता सिन्हा ने कहा कि जिस अवधि को लेकर मेरा सवाल है उसके अंतर्गत 7218 महिलाएं व बालिकाएं अभी भी लापता हैं। मेरे विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सनौद में एक बच्ची स्कूटी से पूजा करने के लिए निकलती है फिर लौटकर घर नहीं आती। थाने में एफआईआर भी हुई है। पता नहीं बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के नारे कैसे लगा लेते हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जब एफआईआर हुई तो कार्यवाही भी हो रही होगी। कांग्रेस विधायक देवेन्द्र यादव ने भी बालिकाओं के गुम होने पर सवाल खड़े किए। उप मुख्यमंत्री ने सनौद में गुम हुई बालिका के संबंध में विभाग से चर्चा कर जरूरी कदम उठाने का आश्वासन दिया।

हाउसिंग बोर्ड विधेयक 2026 विधानसभा से पारित

आवास व अधोसंरचना विकास को मिलेगी नई गति-वित्त मंत्री

रायपुर। संवाददाता

राज्य में आवासीय और शहरी अधोसंरचना विकास को व्यापक स्वरूप देने के उद्देश्य से वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी द्वारा प्रस्तुत छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल अधिनियम, 1972 (संशोधन) विधेयक 2026 को विधानसभा में ध्वनि मत से पारित कर दिया गया। यह संशोधन मंडल की भूमिका को विस्तार देते हुए उसे एक आधुनिक और बहुआयामी इंफ्रास्ट्रक्चर एजेंसी के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। वित्त मंत्री ने सदन में कहा कि रायपुर, नवा रायपुर, भिलाई-दुर्ग और राजनांदगांव को एकीकृत कर एक शहरी कॉरिडोर के रूप में विकसित किए जाने में गृह निर्माण मंडल की भी अहम् भूमिका होगी। सदन में जानकारी देते हुए वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने बताया कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल का गठन मूलत: मध्यप्रदेश गृह निर्माण मंडल अधिनियम 1972 के तहत किया गया था। राज्य गठन के बाद यह संस्था प्रदेश में आवासीय योजनाओं, नगरीय अधोसंरचना और किफायती आवास उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में मंडल व्दारा लगभग 3,050 करोड़ रुपये की लागत से 78 नई परियोजनाएं शुरू की गई हैं। राज्य शासन द्वारा 735 करोड़ रुपये का ऋण भुगतान कर मंडल को ऋण मुक्त किया गया है। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 2,000 ईडब्ल्यूएस आवासों के निर्माण को स्वीकृति मिली है। वित्त मंत्री ने बताया कि 650 करोड़ रुपये से अधिक की 6 रिडेवलपमेंट परियोजनाओं का डीपीआर तैयार हो चुका है। नवंबर 2025 में आयोजित राज्य स्तरीय आवास मेले में 2,060 करोड़ रुपये की 56 नई परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया, जिसमें 2,517 संपत्तियों की बुकिंग और 1,477 का आवंटन किया जा चुका है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

एससी का अहम फैसला, अब गोद लेने वाली महिला को भी मिलेगी मैटरनिटी लीव

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मैटरनिटी लीव को लेकर एक बहुत अहम और बड़ा फैसला सुनाया है, जो खास तौर पर बच्चा गोद लेने वाली महिलाओं के लिए राहत भरा माना जा रहा है। कोर्ट ने साफ कर दिया है कि अब सिर्फ तीन महीने तक के बच्चे को गोद लेने वाली ही नहीं, बल्कि उससे ज्यादा उम्र के बच्चे को गोद लेने वाली महिलाएं भी मातृत्व अवकाश की हकदार होंगी। दरअसल, पहले कानून में यह प्रावधान था कि अगर कोई महिला तीन महीने तक के बच्चे को गोद लेती है।

सुवेंदु अधिकारी ने दी चुनौती

खुद अपनी सीट नहीं बचा पाएंगी ममता...

नई दिल्ली। श्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव की घोषणा हो चुकी है। दो चरण में होने वाले मतदान को लेकर टीएमसी-भाजपा-कांग्रेस के साथ अन्य राजनीतिक दलों ने अपनी कमर कस ली है। भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा ने सुवेंदु अधिकारी को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। यह सीट हाई प्रोफाइल बन गई है, क्योंकि इसी सीट से प्रदेश की सीएम ममता बनर्जी भी चुनाव लड़ने वाली हैं। गुरुवार को भाजपा प्रत्याशी सुवेंदु अधिकारी भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र पहुंचे।

यहां क्षेत्र के लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया। जनता का भरपूर समर्थन पाकर सुवेंदु अधिकारी भी काफी खुश दिखाई दिए। यह उनका निर्वाचन क्षेत्र में उम्मीदवार घोषित होने के बाद पहला दौरा है।

अध्यक्ष पद के लिए किया नामांकन

नीतीश की पहले राज्यसभा और अब पार्टी की कमान पर नजर!

पटना/ एजेंसी

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जनता दल (यूनाइटेड) के अध्यक्ष पद के लिए आज गुरुवार को नामांकन करेंगे। नीतीश कुमार की ओर से 2025-2028 कार्यकाल के अध्यक्ष पद के लिए गुरुवार शाम 4.00 बजे पार्टी के केंद्रीय कार्यालय नई दिल्ली में नामांकन पत्र दाखिल किए जाएंगे। नीतीश कुमार की ओर से पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष और राज्यसभा में संसदीय दल के नेता संजय कुमार झा, विधान परिषद सदस्य श्रवण कुमार, संजय कुमार सिंह 'गांधी' और पार्टी के अन्य नेता नामांकन पत्र पार्टी के निर्वाचन अधिकारी अनिल प्रसाद हेगडे को सौंपेंगे। जदयू में प्रदेश स्तर तक संगठन के चुनाव पहले ही कराए जा चुके हैं। अब केवल राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की औपचारिक प्रक्रिया बची है, जिसे निर्धारित समयसीमा के तहत पूरा किया जा रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए 22 मार्च तक नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे। 23 मार्च को स्क्रूटनी होगी और 24 मार्च नाम वापसी की अंतिम तारीख है। इसके बाद तस्वीर पूरी तरह साफ हो जाएग। हालांकि, अब तक किसी अन्य दावेदार के सामने नहीं आने से यह लगभग तय माना जा रहा है कि नीतीश कुमार निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाएंगे। पूरी प्रक्रिया औपचारिकता भर रह गई है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा पहले ही कह चुके हैं कि हर कार्यकर्ता की इच्छा है कि नीतीश कुमार ही अध्यक्ष बने रहें।

टीनशेड गिरने से दो बच्चों समेत तीन की मौत

मैनपुरी। जिले के थाना कुरावली क्षेत्र स्थित आठपुरा गांव में सुबह एक हृदयविदारक हादसा हुआ। मकान की दीवार के साथ टिनशेड गिरने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। घटना के समय पूरा परिवार टिनशेड के नीचे सो रहा था, तभी अचानक मलबे की चपेट में आने से 40 वर्षीय रूबी, 8 वर्षीय मासूम दिलीप और 13 वर्षीय देवी ने दम तोड़ दिया। इस हादसे में परिवार के तीन अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई है और राहत कार्य जारी है।

ईरान में युद्ध पर सियासत

सांसद थरूर बोले यह कायरता नहीं जिम्मेदार कूटनीति है.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम एशिया में जंग को लेकर भारत सरकार की चुप्पी पर कांग्रेस के भीतर ही अलग-अलग राय सामने आई है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सरकार के रुख का बचाव करते हुए इसे जिम्मेदार कूटनीति बताया है, जबकि कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने इसी चुप्पी को जिम्मेदारी से पलायन करार दिया था। अपने लेख में शशि थरूर ने कहा कि भले ही यह युद्ध अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है और भारत के मूल सिद्धांतों संप्रभुता, अहिंसा और शांतिपूर्ण समाधान का उल्लंघन करता है, लेकिन विदेश नीति में केवल नैतिकता के आधार पर फैसले नहीं लिए जा सकते। उन्होंने कहा कि भारत को अपने राष्ट्रीय हित, रणनीतिक साझेदारी और क्षेत्रीय स्थिरता को ध्यान में रखते हुए संतुलित रुख अपनाना होता है। थरूर के मुताबिक, सरकार की चुप्पी कायरता नहीं, बल्कि एक सोची-समझी रणनीति है, और कई बार बिना बयान दिए भी कूटनीतिक रास्ते खुले रखे जा सकते हैं। थरूर ने यह भी कहा कि भारत के पश्चिम एशिया में बड़े हित जुड़े हैं करीब 200 अरब डॉलर का व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और लगभग 90 लाख भारतीयों की मौजूदगी, ऐसे में किसी भी कड़े सार्वजनिक बयान से इन हितों पर असर पड़ सकता है। उन्होंने अमेरिका के साथ भारत के रक्षा और तकनीकी संबंधों का भी जिक्र करते हुए कहा कि नैतिक भाषण देकर इन संबंधों को खतरे में डालना समझदारी नहीं होगी।

दिल्ली के पालम में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप

शोक सभा के दौरान भिड़े आप और बीजेपी कार्यकर्ता, हुई मारपीट

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली के पालम इलाके में हाल ही में एक दर्दनाक अग्निकांड हुआ जिसमें एक ही परिवार के नौ लोगों की दुखद मृत्यु हो गई थी। इस हादसे के बाद शोक संतप्त परिवार को सांत्वना देने पहुंचे राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं के बीच गुरुवार को भारी बवाल हो गया। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पहुंचने से ठीक पहले वहां मौजूद 'आप' और बीजेपी समर्थकों के बीच जमकर धक्का-मुक्की और मारपीट हुई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला लेकिन इस घटना ने इलाके में काफी तनाव पैदा कर दिया है। शोक सभा के दौरान जब आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज वहां बैठे थे, तभी बीजेपी विधायक कुलदीप सोलंकी वहां पहुंचे। सौरभ भारद्वाज ने सोलंकी को अपने मोबाइल पर एक वीडियो दिखाना शुरू किया जिसमें बचाव कार्य के दौरान हाइड्रोलिक मशीन फेल होती दिख रही थी। भारद्वाज ने इस मशीन की विफलता के लिए सीधे तौर पर भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराना शुरू कर दिया जिससे वहां तीखी नोकझोंक छिड़ गई। देखते ही देखते यह बहस गाली-गलौज और धक्का-मुक्की में बदल गई और दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं के बीच जबरदस्त हंगामा खड़ा हो गया। इसी गहमागहमी के बीच भीड़ में से किसी अज्ञात व्यक्ति ने एक कुर्सी उठाकर फेंकी जो सीधे आम आदमी पार्टी के पूर्व विधायक को जा लगी। इस हमले में पूर्व विधायक विनय मिश्रा और एक अन्य नेता को चोटें आई हैं जिसके बाद मौके पर चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई। स्थिति को बिगड़ता देख वहां सुरक्षा के लिए तैनात पुलिस कर्मियों ने तुरंत हस्तक्षेप किया और दोनों पक्षों के नेताओं को वहां से हटा दिया। पुलिस ने उत्तेजित कार्यकर्ताओं को मौके से हटाकर मामले को शांत कराया और घायल नेताओं को प्राथमिक उपचार के लिए तुरंत अस्पताल भेजा। फिलहाल पुलिस प्रशासन ने एहतियात के तौर पर पूरे इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को टाला जा सके। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल के शाम पांच बजे पहुंचने से ठीक पहले हुई इस घटना ने दिल्ली में नया विवाद पैदा कर दिया है। दोनों ही दलों के नेता अब एक-दूसरे पर शांति भंग करने और शोक के माहौल में राजनीति करने का काफी गंभीर आरोप लगा रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने भी इस तरह की घटना पर नाराजगी जताई है क्योंकि परिवार अभी नौ सदस्यों को खोने के गम से उभर नहीं पाया है। अग्निकांड के दौरान हाइड्रोलिक मशीनों के फेल होने के मुद्दे ने अब राजनीतिक मोड़ ले लिया है और प्रशासन की तैयारियों पर सवाल उठ रहे हैं। आम आदमी पार्टी इसे सरकार की बड़ी विफलता बता रही है जबकि सत्ता पक्ष का कहना है कि मशीनों को लेकर राजनीति करना सरासर गलत है। इस पूरे मामले की जांच अब तेज कर दी गई है ताकि भविष्य में ऐसी दुखद घटनाओं के दौरान बचाव कार्यों में कोई बड़ी चूक न हो।

भिड़ंत के बीच पीड़ित परिवार अब भी सदमे में

पालम अग्निकांड में जान गंवाने वाले 9 लोगों के परिवार को अब सरकारी सहायता और न्याय मिलने का बेसब्री से इंतजार है ताकि राहत मिल सके। प्रशासन ने हादसे के कारणों की जांच के आदेश दे दिए हैं और शॉर्ट सर्किट या गैस लीक जैसे पहलुओं पर विस्तार से गौर किया जा रहा है। नेताओं की इस भिड़ंत के बीच पीड़ित परिवार अब भी सदमे में है और वे शांतिपूर्ण तरीके से अपनी शोक सभा को पूरी करना चाहते हैं। दिल्ली पुलिस के लिए इस समय इलाके में शांति बनाए रखना एक बहुत बड़ी चुनौती बन गई है क्योंकि तनाव अब भी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। पुलिस अधिकारी दोनों पक्षों के बयानों की जांच कर रहे हैं और मारपीट करने वाले आरोपियों की पहचान करने की पूरी कोशिश में जुटे हुए हैं। राजनीतिक रैलियों और सभाओं के दौरान बढ़ती हिंसा ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था और नेताओं के आचरण पर भी कई गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

संक्षिप्त समाचार

अवकाश के दिनों में भी खुलेंगे उप पंजीयन कार्यालय, दस्तावेजों का होगा पंजीयन

मुंगेली(समय दर्शन)वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतिम दिनों में नागरिकों की सुविधा और शासकीय राजस्व संग्रहण को ध्यान में रखते हुए जिले के उप पंजीयन कार्यालय 22 मार्च (रविवार), 28 मार्च (शनिवार), 29 मार्च (रविवार) और 31 मार्च (महावीर जयंती) को भी खुले रहेंगे। इन दिनों में भी दस्तावेजों का पंजीयन कार्य नियमित रूप से जारी रहेगा। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने इस संबंध में निर्देश जारी करते हुए कहा कि अवकाश के दिनों में भी जिले के तीनों उप पंजीयक कार्यालयों में पंजीयन की प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित की जाए, ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और वित्तीय वर्ष के अंत में होने वाले राजस्व संग्रहण में कोई बाधा न आए। जिला पंजीयक ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतिम माह पूर्ण होने में मात्र कुछ ही दिवस शेष हैं। अत: अवकाश के दिनों में भी पंजीयन का कार्य किया जाएगा।

जनगणना 2027 की तैयारियों की समीक्षा, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक

मुंगेली(समय दर्शन)जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं भवनों की गणना कार्य की तैयारियों को लेकर आज जिला कलेक्टोरेट स्थित एनआईसी कक्ष में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य स्तर से प्राप्त निर्देशों के अनुरूप जिले में चल रही तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की प्रक्रिया जारी है तथा मकान सूचीकरण ब्लॉकों का गठन किया जा रहा है। साथ ही जनगणना पोर्टल पर मैपिंग का कार्य भी प्रगति पर है, जिससे आंकड़ों के संकलन में पारदर्शिता और सटीकता सुनिश्चित की जा सके। बैठक में बताया गया कि स्वगणना का कार्य 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक किया जाएगा। इसके पश्चात मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य 01 मई से 30 मई 2026 तक संपादित किया जाएगा। इस दौरान सभी संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी कुन्दन कुमार ने कहा कि जनगणना कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए सभी स्तरों पर समन्वय और सतर्कता के साथ कार्य किया जाएगा, ताकि जिले के सटीक आंकड़े समय पर उपलब्ध हो सकें। इस अवसर पर जिला कलेक्टोरेट स्थित एनआईसी कक्ष में अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पाण्डेय तिवारी, लोरमी एसडीएम अजीत पुजारी, पथरिया एसडीएम श्रीमती रेखा चंद्रा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

रायपुर साहित्य महोत्सव 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन, जिले के 06 प्रतिभागियों को चेक देकर किया गया सम्मानित

मुंगेली(समय दर्शन)रायपुर साहित्य महोत्सव 2026 के अंतर्गत पुरखौती मुक्तांगन में आयोजित जिला स्तरीय कहानी लेखन एवं कविता लेखन प्रतियोगिता में जिले के प्रतिभागियों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में चयनित जिले के 06 प्रतिभागियों को सम्मान स्वरूप चेक प्रदान किया गया। इन 06 सभी प्रतिभागियों को कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जिला कलेक्टोरेट में चेक वितरित कर सम्मानित किया, इनमें नवीन कन्या महाविद्यालय मुंगेली की छात्रा आंचल खाडे एवं लक्ष्मी कुर्रे, शासकीय एस एन जी कॉलेज मुंगेली की छात्रा जमुना सिंह ठाकुर, जेपीएम कालेज मुंगेली की रंजीता साहू, राजीव गांधी शासकीय आर्ट एंड कॉमर्स कॉलेज की छात्रा पुष्पा पाटले और भारती जायसवाल शामिल हैं। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभागियों की रचनात्मकता और साहित्यिक प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं युवाओं में लेखन कौशल को निखारने के साथ-साथ उनकी अभिव्यक्ति क्षमता को भी मजबूत बनाती हैं। कलेक्टर ने सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगे भी साहित्यिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान प्रतिभागियों में उत्साह का माहौल देखने को मिला और उन्होंने इस सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया। इस दौरान संबंधित अधिकारी और प्रतिभागियों के परिजन मौजूद रहे।

पीएम राहत योजना के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

गोल्डन आवर में त्वरित उपचार पर दिया गया जोर

कलेक्टर ने दुर्घटना पीड़ितों की मदद के लिए मानवीय संवेदनशीलता अपनाने की अपील की

मुंगेली(समय दर्शन)जिले में प्रधानमंत्री राहत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और दुर्घटना पीड़ितों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिला कलेक्टोरेट स्थित जनदर्शन कक्ष में आयोजित कार्यशाला में बेहतर समन्वय के साथ योजना का क्रियान्वयन कर पीड़ितों का त्वरित उपचार सुनिश्चित कराने पर जोर दिया गया। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने कहा कि पीएम राहत योजना का उद्देश्य किसी भी दुर्घटना पीड़ित को तत्काल उपचार एवं राहत सहायता उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के समय डॉक्टर और पुलिस फर्स्ट रिस्पॉन्डर होते हैं, इसलिए उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। कलेक्टर ने आम नागरिकों से भी अपील की कि दुर्घटना की स्थिति में वीडियो बनाने के बजाय घायल व्यक्ति को तुरंत अस्पताल पहुंचाने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि मानवीय संवेदनशीलता और त्वरित मदद से किसी की जान बचाई जा सकती है।

अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पांडेय तिवारी ने कार्यशाला की सराहना करते हुए कहा कि पीएम राहत योजना का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराना है। उन्होंने पुलिस और स्वास्थ्य विभाग को बेहतर तालमेल के साथ कार्य करते हुए प्रत्येक दुर्घटना पीड़ित को समय पर इलाज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवनीत कौर ने कहा कि पीएम राहत योजना गरीब तबके को त्वरित उपचार एवं राहत के लिए है। उन्होंने पुलिस एवं चिकित्सकों को घायल को समय पर इलाज उपलब्ध कराने की बात कही। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने गोल्डन आवर के महत्व को बताते हुए कहा कि दुर्घटना के तुरंत बाद का समय उपचार के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है। इस दौरान यदि घायल को समय पर उचित इलाज मिल जाए, तो उसकी जान बचाई जा सकती है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत सड़क दुर्घटना में घायल पीड़ितों को गोल्डन ऑवर यानी दुर्घटना के तुरंत बाद के महत्वपूर्ण समय में बिना किसी देरी के अस्पतालों में भर्ती कर अधिकतम 07 दिनों तक प्रति व्यक्ति 1.50 लाख रुपये तक का कैशलेस उपचार उपलब्ध कराया जाएगा।

आयुष जगत ने बढ़ाया क्षेत्र का मान, सैनिक स्कूल और नवोदय विद्यालय में हुआ चयन

बसना (समय दर्शन)। बसना क्षेत्र के शरहद पर बसा ग्राम धनसीर बिलाईगढ़ के होनहार छात्र आयुश ने कठिन मेहनत कर नवोदय में चयनित होकर माता पिता, समाज व क्षेत्र का नाम रौशन किया है।

क्षेत्र के होनहार छात्र आयुष जगत ने अपनी कड़ी मेहनत और प्रतिभा के दम पर सैनिक स्कूल और नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा में बड़ी सफलता हासिल की है। आयुष जगत की इस उपलब्धि से न केवल उनके परिवार में खुशी का माहौल है, बल्कि पूरे क्षेत्र के लोग गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

आयुष ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के अटूट विश्वास और शिक्षकों के सही मार्गदर्शन को दिया है। उनके पिता श्री अमर जगत जो कि एक शिक्षक है और माता कुंती देवी जगत भी एक शिक्षिका है ने बताया कि आयुष बचपन से ही अनुशासित और पढ़ाई के प्रति समर्पित रहे हैं। इस उपलब्धि पर शासकीय प्राथमिक शाला परसापाली विद्यालय के शिक्षक आर के मांझी,जाल सर,ताण्डी सर, मलिक सर,बरिहा मैम, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने अमृत तिलकिया, तिलक खड़िया, बृजभान सिंह जगत, नारायण सिंह तोमर, विजय कौशिक, शिव शोभन ठाकुर ने आयुष के इस दोहरी सफलता पर ग्रामवासियों और शुभचिंतकों ने आयुष के घर पहुंचकर बधाई और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें और उनके परिवार को बधाई दी है। सर्व आदिवासी समाज बिलाईगढ ब्लाक, गोड़ समाज धनसीर, बिलाईगढ राज की ओर से आशिष शुभकामनाएं प्राप्त हुई।

आयुष जगत की इस उपलब्धि पर सरोज भोई , राजकुमार भोई, जितेंद्र नाग , गजमोहन सिदार ,कृष्ण कुमार नेताम, भागवत डड़सेना , मोहन जगत ने हर्ष व्यक्त किये ।

वाहन चेकिंग में 25 लाख नकदी बरामद, वैध दस्तावेज नहीं मिलने पर कार्रवाई

महासमुन्द (समय दर्शन)। पटेवा पुलिस ने वाहन जांच के दौरान एक कार से 25 लाख रुपये नकद जप्त की है। कार्रवाई के दौरान एक व्यक्ति को पकड़ा गया, जिसके पास से उक्त नकद बरामद हुए, संबंधित व्यक्ति द्वारा नोटों के वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर धारा 94 बीएनएसएस के तहत नोटिस जारी किया गया।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 19 मार्च 2026 को ग्राम जोगीडीपा, थाना पटेवा के सामने एनएच-53 पर मुखबिर सूचना के आधार पर वाहन चेकिंग की जा रही थी। इस दौरान पिथौरा की ओर से आ रही काले रंग की ग्रैंड विटारा कार (OD 15A 5080) को रोककर जांच की गई।

मामले में वाहन चेकिंग के दौरान 25 लाख नकदी बरामद, वैध दस्तावेज नहीं मिलने पर कार्रवाई की गयी।

पूछताछ में चालक ने अपना नाम मोहित आनंद (26 वर्ष), निवासी बुधाराजा, संबलपुर (ओडिशा) बताया। कार की बीच वाली सीट पर रखे चेकदार बैग के बारे में पूछने पर उसने बताया कि वह रायपुर में फ्लैट खरीदने के लिए 25 लाख रुपये नगद लेकर जा रहा है।

तलाशी के दौरान बैग में 500-500 रुपये के 50 बंडल मिले, प्रत्येक बंडल में 100 नोट थे, जिनकी कुल राशि 25 लाख रुपये पाई गई। जब पुलिस ने नकदी के संबंध में वैध दस्तावेज मांगे, तो संबंधित व्यक्ति कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए कार, मोबाइल और नकदी सहित कुल 40 लाख 45 हजार 840 रुपये की संपत्ति जब्त कर ली है तथा आगे की जांच जारी है।

गाजे-बाजे के साथ नगर में तिरंगा यात्रा, नागरिकों में भरा देशभक्ति का उत्साह

राजनांदगांव। हिंदू नव वर्ष के पावन अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद एवं शनि देव धाम मंदिर समिति, रानी सागर के संयुक्त तत्वाधान में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। शहरभर के विद्यार्थी, युवा और नागरिक इसमें शामिल होकर देशभक्ति की भावना से लबरेज़ हो उठे।

यात्रा की शुरुआत शनि देव धाम मंदिर प्रांगण से हुई, जहां विधिवत पूजा-अर्चना के बाद हरी झंडी दिखाकर इसे रवाना किया गया। सैकड़ों की संख्या में नागरिक, विद्यार्थी और युवा हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय और वंदे मातरम के जयघोष से नगर को गूंज उठाया।

यात्रा में आकर्षक झांकियों ने भारतीय संस्कृति, परंपरा और वीरता की झलक पेश की। छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य और पारंपरिक वेशभूषा में सज्ज कलाकारों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। मार्ग में डीजे, बैंड और धूमल की धुनों ने माहौल को और उत्साहपूर्ण बना दिया।

नगर के नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम में शामिल सभी के लिए स्वादिष्ट प्रसाद और जलपान की भी व्यवस्था की गई थी।

इस अवसर पर नगर मंत्री अक्षत श्रीवास्तव ने कहा कि हिंदू नव वर्ष हमारी संस्कृति और सनातन परंपरा का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों से युवाओं में राष्ट्रभक्ति, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक गौरव की भावना मजबूत होती है। जिला संयोजक धनंजय पांडे ने कहा कि तिरंगा यात्रा समाज में एकता और अखंडता का संदेश देती है।

आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने और नई पीढ़ी में संस्कार एवं देशभक्ति की भावना जागृत करने में अहम भूमिका निभाते हैं।यात्रा ने न केवल नगर को देशभक्ति की अनुभूति से भर दिया, बल्कि यह सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव का भी अद्भुत उदाहरण बनकर उभरी।

रामोत्सव के लिए बसना में प्रखंड बैठक हुआ

बसना (समय दर्शन)। बीते दिन सरस्वती शिशु मंदिर दशहरा मैदान बसना में रामोत्सव के लिए प्रखंड बैठक हुआ। बैठक में बसना प्रखंड में निवासरत विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, मातृशक्ति शक्ति,एवं दुर्गा वाहिनी के कार्यकर्ता शामिल हुए, कार्यकर्ताओं के द्वारा राम उत्सव कार्यक्रम मनाने के लिए योजना बनाया गया। बैठक में बसना प्रखंड में निवासरत जिला ,प्रखंड एवं खंड के कार्यकर्ता शामिल हुए, कार्यकर्ताओं में बसंत देवता ,अभिषेक दास ,रमेश कर ,सविता बर्मन , भूपेंद्र शर्मा ,प्रेमचंद भोई, दिनेश डड़सेना ,कृष्ण कुमार साहू ,सागरचंद पटेल ,छंदा चरण बारिक, ,लोकेंद्र प्रधान, दीपक सेठ, अनिल साव, अनुराग, सुंदर मनी, परसराम ,सत्यम पुरोहित, जगन्नाथ महापात्र ,चंद्रकांती दुबे, लक्ष्मी दास ,राजेश बांक आदि दायित्ववान कार्यकर्ता शामिल हुए, बसना प्रखंड के 52 गांव में राम उत्सव कार्यक्रम मनाने के लिए योजना बनाया गया।

राम उत्सव कार्यक्रम जिस गांव में होगा, उस दिन पूरे गांव में एक उत्सव का माहौल रहेगा। कार्यक्रम के दिन प्रात 5:00 बजे प्रभात फेरी निकाली जाएगी और प्रत्येक घर के द्वार में रंगोली एवं कलस रखा जाएगा। संध्या काल में वंदनवार सजाकर दीपक जलाया जाएगा। प्रत्येक घर के छत में भगवा ध्वज लगाया जाएगा। आधा घंटा का बौद्धिक होगा ,जिसमें की प्रभु श्री राम के चरित्र तथा हिंदू समाज के सामाजिक समरसता पर चर्चा किया जाएगा।

नारी शक्ति के सम्मान से गुंजायमान हुआ बेमेतरा: सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फेडरेशन ने धूमधाम से मनाया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

साजा (समय दर्श)। छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फेडरेशन, जिला इकाई बेमेतरा के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का भव्य आयोजन किया गया। बेमेतरा ब्लॉक में आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम में सैकड़ों महिला शिक्षिकाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षा जगत में महिलाओं के अतुलनीय योगदान को रेखांकित करना और समाज में उनके बढ़ते कदमों का सम्मान करना रहा।

मुख्य अतिथियों का मार्गदर्शन- कार्यक्रम में प्रांतीय एवं जिला पदाधिकारियों की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फेडरेशन के प्रांतीय कार्यकारी अध्यक्ष बसन्त कौशिक, विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रांतीय मीडिया प्रभारी अशोक कुमार धुर्वे एवं जिला टीम का कुशल नेतृत्व जिला अध्यक्ष पोखन साहू ने किया।

प्रमुख वक्ताओं के विचार- मुख्य अतिथि बसन्त कौशिक समाज और राष्ट्र के निर्माण में महिला शिक्षिकाओं की भूमिका नींव के पत्थर के समान है। वह न केवल कक्षाओं में ज्ञान का प्रकाश फैला रही हैं, बल्कि फेडरेशन के संघर्षों और संगठन की मजबूती में भी पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हैं।

जिलाध्यक्ष पोखन साहू महिलाएँ शक्ति का प्रतीक हैं। फेडरेशन सदैव महिला शिक्षिकाओं के हितों और उनके सम्मान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। आज का यह सम्मान उनके समर्पण और निष्ठा के प्रति एक छोटी सी भेंट है।

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण उत्कृष्ट सम्मान समारोह: शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार करने वाली और संगठन में सक्रिय भूमिका निभाने वाली महिला शिक्षिकाओं को अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

सांस्कृतिक एवं प्रेरक प्रस्तुतियाँ: कार्यक्रम के दौरान महिला शिक्षिकाओं ने प्रेरक गीतों, कविताओं और ओजस्वी भाषणों के माध्यम से नारी सशक्तिकरण का जीवंत संदेश दिया। कार्यक्रम में फेडरेशन की आगामी रणनीतियों पर चर्चा की गई, जिसमें निर्णय लिया गया कि भविष्य में संगठनात्मक ढाँचे में महिलाओं की भागीदारी को और अधिक बढ़ाया जाएगा।

इनकी रही विशेष उपस्थिति- इस अवसर पर जिला सचिव गेंदराम वर्मा, जिला उपाध्यक्ष चन्द्र शेखर पटेल, जिला सदस्य राम अवतार यदु, और बेमेतरा ब्लॉक अध्यक्ष सुनील साहू , कृष्णा सिन्हा शिक्षक प्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में जिला सचिव गेंदराम वर्मा ने सभी आगंतुकों और सहभागी शिक्षिकाओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस सफल आयोजन ने ब्लॉक बेमेतरा की महिला शिक्षिकाओं में एक नई ऊर्जा और एकता का संचार किया है। उपरोक्त कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ सुकन्या राजपूत, जिला उपाध्यक्ष निरंजना ठाकुर, जिला मीडिया प्रभारी भावना टण्डन,जिला सचिव ममता गुरूपंच,जिला कोषाध्यक्ष नमिता साहू ,जिला प्रवक्ता मनीषा कौशल व अन्य सदस्य मेनका ठाकुर,मनीषा अहिरवार, लक्ष्मी साहू,रश्मि तिवारी, चन्द्रकला शर्मा,मीनाक्षी तम्बोली,अर्चना झा,हेमलता साहू बबली वैष्णव , हिमकल्यानी सिन्हा,प्रभा साहू,काजल दुबे,रूपा राजपूत आदि की गरिमामयी उपस्थिति रही।

पांच विश्वविद्यालयों के मध्य उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान में सहयोग हेतु हुए समझौते

उज्बेकिस्तान के विद्यार्थी कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान के लिए छत्तीसगढ़ आएंगे

रायपुर। उज्बेकिस्तान के विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी आगामी शैक्षणिक वर्ष से कृषि के क्षेत्र में उच्च शिक्षा तथा अनुसंधान हेतु छत्तीसगढ़ आएंगे और छत्तीसगढ़ के विद्यार्थी अध्ययन एवं अनुसंधान हेतु उज्बेकिस्तान जाएंगे। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर तथा उज्बेकिस्तान के पांच विश्वविद्यालयों के मध्य कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में आपसी सहयोग हेतु समझौते किये गए हैं।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल के नेतृत्व वाले प्रतिनिधि मंडल के विगत दिनों उज्बेकिस्तान प्रवास के दौरान ताशकंद स्टेट एग्रेरियन यूनिवर्सिटी, बुखारा स्टेट यूनिवर्सिटी, समरकंद स्टेट वेटेरिनरी, तेरमेज़ इंस्टीट्यूट तथा देनोव इंस्टीट्यूट के बीच शिक्षा, अनुसंधान, जैव प्रौद्योगिकी एवं उद्यमिता विकास आदि क्षेत्रों में सहयोग हेतु अनेक समझौते हस्ताक्षरित किए गए। इन समझौतों से छात्र और संकाय विनिमय कार्यक्रमों संयुक्त अनुसंधान पहलों, शैक्षणिक गतिशीलता और अंतर्राष्ट्रीय इंटर्नशिप को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है जिससे इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की वैश्विक भागीदारी बढ़ेगी।

कुलपति डॉ. चंदेल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने उज्बेकिस्तान के साथ विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं भी तलाशी जिनमें चांवल अनुसंधान, औषधीय फसलों की खेती, जैव प्रौद्योगिकी और कृषि उद्यमिता प्रमुख हैं। प्रतिनिधिमंडल ने उज्बेकिस्तान में कृषि आधारित उद्योगों के विकास में भारतीय किसान उत्पादक संगठनों की भागीदारी की संभावनाओं पर भी चर्चा की। उज्बेकिस्तान के विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु काफी रूचि दिखाई। डॉ. चंदेल ने आशा व्यक्त की कि जिस प्रकार बड़ी संख्या में भारतीय छात्र मेडिकल शिक्षा के लिए उज्बेकिस्तान

जाते हैं उसी प्रकार भविष्य में उज्बेकिस्तान के विद्यार्थी कृषि शिक्षा प्राप्त करने लिए छत्तीसगढ़ आएंगे।

उल्लेखनीय है कि उच्च शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के विस्तार के परिप्रेक्ष्य में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर का एक प्रतिनिधिमंडल कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल के नेतृत्व में 28 फरवरी से 10 मार्च 2026 तक उज्बेकिस्तान के दौरे पर गया था। यह भ्रमण भारतीय एवं उज्बेक संस्थानों के बीच शैक्षणिक संबंधों को सुदृढ़ करने तथा कृषि विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, संरक्षित खेती, कृषि उद्यमिता एवं प्रमुख फसलों की मूल्य श्रृंखला विकास में सहयोग की संभावनाओं का अन्वेषण करने हेतु किया गया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों एवं शासकीय प्रतिनिधियों से भेंट कर संयुक्त शैक्षणिक कार्यक्रमों, अनुसंधान सहयोग एवं संस्थागत साझेदारी के अवसरों की पहचान की। प्रतिनिधि मंडल में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर अंतरराष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष प्रो. हुलास पाठक भी शामिल थे। इस यात्रा का उद्देश्य कृषि शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना था साथ ही भारत और उज्बेकिस्तान के बीच दीर्घकालिक संस्थागत साझेदारी का निर्माण करना था। यात्रा के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने उजबेकिस्तान के प्रमुख विश्वविद्यालयों अनुसंधान संस्थानों और नीति संगठनों के साथ जुड़कर कृषि विज्ञान जैव प्रौद्योगिकी कृषि उद्यमिता संरक्षित खेती और मूल्य श्रृंखला विकास जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग के अवसरों का पता लगाया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने पाँच प्रमुख सस्थानो, तेरमेज़ पेडागोजिकल इंस्टीट्यूट, डेनोव इंस्टीट्यूट ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप एक पेडागोजी, ताशकंद स्टेट एग्रेरियन यूनिवर्सिटी, बुखारा स्टेट यूनिवर्सिटी और समरकंद स्टेट वेटरनरी यूनिवर्सिटी के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए।

रियलमी ने पी4 लाइट 5जी लॉन्च किया – इस सेगमेंट का एकमात्र 7000mAh बैटरी वाला स्मार्टफोन, जिसकी शुरुआती कीमत 11,499

नई दिल्ली: रियलमी, जो भारतीय युवाओं में बहुत पसंद किया जाता है, उसने आज रियलमी पी4 लाइट 5जी लॉन्च किया है। इसे स्मूथ 7000mAh पायनियर कहा जा रहा है, क्योंकि इसमें इस सेगमेंट की सबसे बड़ी 7000mAh बैटरी है। यह फोन उन लोगों के लिए बनाया गया है जो लंबी बैटरी और रोज़मर्रा के कामों में स्मूद परफॉर्मेंस चाहते हैं। एक बार चार्ज करने पर यह फोन करीब 1.47 दिन तक चल सकता है। यह फोन रोज़ के काम बिना रुके करने में मदद करता है और इसमें अच्छी बैटरी, स्टाइलिश डिजाइन, बड़ा डिस्प्ले और तेज 5जी कनेक्टिविटी मिलती है। रियलमी पी4 लाइट 5जी में बड़ी 7000mAh बैटरी की वजह इसे बार-बार चार्ज करने की चिंता नहीं रहती और फोन लंबे समय तक चलता है। आप वीडियो देख सकते हैं, गेम खेल सकते हैं या कई काम एक साथ कर सकते हैं, फिर भी बैटरी जल्दी खत्म नहीं होती। इसके साथ इसमें 144H5 वाला डिस्प्ले मिलता है, जिससे स्क्रीन बहुत स्मूद चलती है और स्क्रॉलिंग व गेमिंग का अनुभव शानदार रहता है। फोन की स्क्रीन की ब्राइटनेस 900 निट्स तक है, इसलिए तेज धूप में भी साफदिखाई देता है। साथ ही इसमें ऐसा फीचर है जिससे आंखों को आराम मिलता है और लंबे समय तक देखने पर आंखों को कम थकान होती है। इस फोन में मीडियाटेक डाइमेंसिटी 6300 5जी प्रोसेसर दिया गया है, जो फोन को तेज और स्मूद चलने में मदद करता है। इससे आप गेम खेल सकते हैं, वीडियो देख सकते हैं और एक साथ कई काम आसानी से कर सकते हैं। फोन में बड़ा 5300mm² एयरफ्लो वीसी कूलिंग सिस्टम भी है, जो ज्यादा इस्तेमाल के दौरान फोन को गर्म होने से बचाता है। इससे फोन लंबे समय तक बिना रुकावट के अच्छी परफॉर्मेंस देता है। रियलमी पी4 लाइट 5जी को मजबूत बनाया गया है, ताकि यह आसानी से खराब न हो।

आयुष्मान कार्ड से जुड़ी प्रोत्साहन राशि में अनियमितता का आरोप

विपक्षी विधायक कुंवर निषाद ने उठाए सवाल

रायपुर। विधानसभा में आज कांग्रेस विधायक कुंवर सिंह निषाद ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अर्जुन्दा में आयुष्मान कार्ड से ईलाज के तहत प्रदाय की जाने वाली प्रोत्साहन राशि में अनियमितता पाए जाने का आरोप लगाते हुए एक के बाद एक कई सवाल खड़े किए।

प्रश्नकाल में कुंवर सिंह निषाद का सवाल था कि बालोद जिला अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अर्जुन्दा में वर्ष 2025-26 में आयुष्मान कार्ड से ईलाज के तहत अधिकारी/कर्मचारियों को प्रदाय की जाने वाली प्रोत्साहन राशि में क्या अनियमितता की शिकायत प्राप्त हुई है? उक्त अनियमितता में कौन-कौन से अधिकारी/कर्मचारी संलिप्त पाए गए तथा उन पर क्या कार्यवाही की गई? स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की ओर से जवाब आया कि शिकायत प्राप्त हुई थी। उक्त शिकायत के संबंध में गठित जांच समिति व्दारा जांच करने के उपरांत दिये गये अभिमत के अनुसार उक्त अनियमितता में किसी भी अधिकारी/कर्मचारी की संलिप्तता नहीं पाई गई है।

कुंवर निषाद ने कहा कि आप कह रहे हैं कि किसी भी प्रकार की अनियमितता नहीं पाई गई, जबकि अर्जुन्दा अस्पताल में कार्यरत दो कम्प्यूटर ऑपरेटर ने स्वीकार किया कि डॉक्टर के दबाव में राशि शिफ्ट करने का कृत्य करवाया गया। क्या दोषी अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही करेंगे? मंत्री ने कहा कि आप खुद शिकायत किये थे उसी के आधार पर 3 सदस्यीय कमेटी बनाकर जांच करवाई गई। फर्जी एंट्री का कोई प्रमाण नहीं पाया गया। कुंवर निषाद ने कहा कि इस मामले में बकायदा थाने में एफआईआर हुई है। एफआईआर में स्पष्ट लिखा है कि डॉक्टर के कहने पर 60 लाख से अधिक का गबन हुआ। अलग से एक और जांच कमेटी बनाकर क्या उसमें मुझे शामिल करेंगे? मंत्री ने कहा कि गलत एंट्री जो हुई थी उसे कैंसल किया गया। इस मामले में आपने जिन लोगों का नाम लिया था उनका लिखित में बयान आ चुका है। जो जांच रिपोर्ट सामने आई है उसे सही माना जाएगा। कुंवर निषाद ने कहा कि यह आर्थिक अनियमितता का मामला है। इस जांच से मैं संतुष्ट नहीं हूं। मेरे क्षेत्र में आने वाले ग्राम देवरी में भी ऐसा ही मामला आया था। जो डॉक्टर ने प्रकरण को सामने लाया था उसी के खिलाफ जांच बिठा दी गई थी। कांग्रेस विधायक देवेन्द्र यादव ने क्या एफआईआर कराएंगे सवाल किया, जिस पर मंत्री ने नहीं कहते हुए इंकार कर दिया। कांग्रेस विधायक उमेश पटेल ने पूछा कि जो एफआईआर हुई थी उस पर क्या कार्यवाही हुई। मंत्री ने कहा कि एफआईआर विभाग की जानकारी में नहीं हुआ।

प्रधानमंत्री आवास: पक्की छत से प्राणसाय के परिवार को मिली सुकून की जिन्दगी

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत ग्रामीण परिवारों को निरंतर उनके सपनों का आशियाना मिल रहा है। इसी कड़ी में कोरिया जिले में मुख्यालय बैकुण्ठपुर से लगे ग्राम पंचायत आमापारा में रहने वाले श्री प्राण साय भी उन्ही हितग्राहियों की सूची में शामिल हैं, जिनके परिवार के सपनों का पक्का मकान प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से बनकर तैयार हो गया है। अब पूरा परिवार प्रधानमंत्री आवास की पक्की छत के नीचे सुकून से जीवन व्यतीत कर रहा है। ग्राम पंचायत आमापारा के निवासी श्री प्राण साय, पिता श्री शिवप्रसाद, एक साधारण किसान परिवार से संबंध रखते हैं। उनका परिवार कुल 6 सदस्यों का है, जो वर्षों से खेती-किसानी और मजदूरी के सहारे अपना जीवन यापन कर रहा है।खेती से मिलने वाली सीमित आय मौसम पर निर्भर रहती और मनरेगा के होने वाले ग्राम पंचायत में उपलब्ध कार्यों से आय के साधन भी सीमित ही रहते। ऐसे मे पक्के मकान का सपना केवल सपना ही था। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने हमेशा मेहनत और ईमानदारी से जीवन यापन करने वाले हितग्राही प्राणसाय का पूरा परिवार पहले एक कच्चे मकान में रहता था। यह मकान बारिश के मौसम में बहुत असुरक्षित हो जाता था। छत से पानी टपकना, दीवारों का कमजोर होना और घर के अंदर पानी भर जाना जैसी समस्याएं आम थीं। हर साल बरसात उनके लिए चिंता और परेशानी लेकर आती थी।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हितग्राही प्राण साय ने अपने पक्के आवास निर्माण के दौरान परिवार सहित मेहनत की और मनरेगा योजना के अंतर्गत उन्हें 90 दिनों की मजदूरी भी प्राप्त हुई। प्राणसाय के लिए यह केवल एक घर नहीं, बल्कि उनके सपनों का साकार रूप भी है। अब उनका परिवार सुरक्षित छत के नीचे रह रहा है। बारिश का मौसम अब उनके लिए डर का कारण नहीं, बल्कि सुकून का समय बनकर आएगा। प्राणसाय प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि सपनों का आवास पूरा होने के बाद उनके जीवन में और पूरे परिवार में सकारात्मक बदलाव आया है। बच्चों को पढ़ाई के लिए बेहतर माहौल मिला, परिवार के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है और सामाजिक स्तर पर भी उनका आत्मविश्वास बढ़ा है।

हर घर हर दिन चिकन प्रोटीन : आईबी ग्रुप का राष्ट्रव्यापी मिशन

भारत में पोषण और प्रोटीन सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंता के बीच कुछ ऐसे इंडस्ट्री लीडर सामने आए हैं जो देश के खाद्य तंत्र को नई दिशा दे रहे हैं। आधुनिक पोल्ट्री उद्योग के अग्रदूत माने जाने वाले बहादुर अली, प्रबंध निदेशक, आईबी ग्रुप, उन प्रमुख उद्यमियों में शामिल हैं जिन्होंने अपने दूरदर्शी नेतृत्व से आईबी ग्रुप को देश की अग्रणी एकीकृत पोल्ट्री और प्रोटीन कंपनियों में स्थापित किया है। उनके नेतृत्व में कंपनी ने कई राज्यों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है और अपने एकीकृत पोल्ट्री मॉडल के माध्यम से हजारों किसानों और ग्रामीण उद्यमियों को सशक्त बनाया है। किसानों के साथ मजबूत साझेदारी और आधुनिक सप्लाई चेन के विकास के माध्यम से आईबी ग्रुप ने देश की पोषण व्यवस्था को मजबूत करने के साथ साथ ग्रामीण रोजगार और आजीविका के अवसर भी बढ़ाए हैं। आईबी ग्रुप भारत की ऐसी एकमात्र पोल्ट्री कंपनी है जिसके पास पूर्ण बैकवर्ड और फॉरवर्ड इंटीग्रेशन है। कंपनी फीड उत्पादन, ब्रीडिंग, फार्मिंग से लेकर प्रोसेसिंग और देशभर में वितरण तक पूरी वैल्यू चेन का संचालन स्वयं करती है। इस एकीकृत प्रणाली के कारण गुणवत्ता नियंत्रण, दक्षता और निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित होती है, जिससे उपभोक्ताओं तक सुरक्षित और किफायती चिकन प्रोटीन पहुंचाया जा रहा है। देश में प्रोटीन की कमी को देखते हुए आईबी ग्रुप ने हर घर हर दिन एबीआईएस चिकन प्रोटीन नामक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक 20 राज्यों के 2500 से अधिक तहसीलों को कवर करने वाला यह अभियान परिवारों को अपने दैनिक आहार में प्रोटीन शामिल करने के लिए प्रेरित कर रहा है और जमीनी स्तर पर पोषण जागरूकता बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। इस पहल पर बोलते हुए आईबी ग्रुप के प्रबंध निदेशक बहादुर अली ने कहा, प्रोटीन को विलासिता नहीं बल्कि हर भारतीय परिवार की दैनिक आवश्यकता के रूप में देखा जाना चाहिए। 'हर घर हर दिन एबीआईएस चिकन प्रोटीन' अभियान के माध्यम से हम जमीनी स्तर पर जागरूकता बढ़ा रहे हैं और हमारे किसान एवं सहयोगी हमें देशभर के लाखों परिवारों तक पहुंचने में मदद कर रहे हैं।

भारत आयात पर निर्भरता खत्म कर सकता है, अगर यह अपने संसाधनों की क्षमता का सदुपयोग करे, वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा

नई दिल्ली: वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने भारत की विशाल प्राकृतिक संसाधन क्षमता के सदुपयोग के लिए निर्णायक कदम उठाने का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि देश को घरेलू अन्वेषण और उत्पादन को तेज़ करना चाहिए ताकि हम ऊर्जा सुरक्षा को सशक्त बना सकें और आयात पर निर्भरता कम कर सकें।

आज एक ओद्यौगिक सम्मेलन के दौरान अपने विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने चुनौती की गंभीरता पर रोशनी डाली और कहा कि भारत अपने तेल का 90 फीसदी, कॉपर का 95 फीसदी, सोने का तकरीबन 99.5 फीसदी आयात करता है, बावजूद इसके कि हमारे पास इन संसाधनों के बड़े भंडार हैं, जिनका अब तक इस्तेमाल नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि भूविज्ञान की दृष्टि से हमारा देश दुनिया के सबसे समृद्ध देशों में से एक है, इसमें भारत की ऊर्जा एवं खनिज सुरक्षा को सशक्त बनाने की अपार क्षमता है। उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों की खोज एवं खनन में तेज़ी लाने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि अगर भारत के सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों और संसाधन कंपनियों को उचित नीतियों एवं जल्द अनुमोदन का साथ मिले तो वे अपनी उत्पादन क्षमता को कई गुना बढ़ा सकती हैं। उन्होंने कहा कि कई सरकारी संसाधनों का प्रदर्शन आज भी उनकी क्षमता के मुताबिक नहीं है, सही निवेश, प्रबन्धन एवं नीतिगत सहयोग के द्वारा उनकी उत्पादन क्षमता को काफी हद तक बढ़ाया जा सकता है।

पहले सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों में बदलाव लाने के वेदांता के अनुभव की बात करते हुए अग्रवाल ने कहा कि हिंदुस्तान ज़िंक और भारत एलुमिनियम सहित कई कंपनियों के निजीकरण एवं पेशेवर प्रबन्धन के बाद उनका उत्पादन पांच से दस गुना बढ़ा है, ये आंकड़े भारत के संसाधन क्षेत्र की अप्रयुक्त क्षमत को दर्शाते हैं। हाल ही में एक पोस्ट में अग्रवाल ने कहा था कि वेदांता ने एक निजीकरण प्रोग्राम के तहत हिंदुस्तान ज़िंक और बाल्को का अधिग्रहण किया, जो कभी पूरा नहीं हुआ और सरकार के पास अभी भी इनकी क्रमशः 26 फीसदी एवं 49 फीसदी हिस्सेदारी है। गौरतलब है कि वेदांता ने पिछले दस सालों में सरकारी कोष में रु 4.5 लाख करोड़ का योगदान दिया है। वेदांता के चेयरमैन ने निवेश और इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए उद्यमियों को सशक्त बनाने और विनियमों को आसान बनाने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। उन्होंने सेल्फ-सर्टिफिकेशन और भरोसे पर आधारित शासन पर निर्भरता बढ़ाने बात कही, और तर्क दिया कि विनियामक मामलों में ज़रूरत से ज़्यादा दखल अक्सर प्रोजेक्ट्स में देरी करता है। उन्होंने आगे कहा कि भारत को लम्बे अनुमोदन और क्लीयरेंस के बजाय सेल्फ-सर्टिफिकेशन की ओर बढ़ना चाहिए, जहाँ सरकार नियम तय करे और उद्यमी उनका पूरी सख्ती से पालन करें, बाद में उनका ऑडिट किया जाए। पश्चिम एशिया संकट के बीच, अग्रवाल ने घरेलू उत्पादन के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि भारत को ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने और वैश्विक आपूर्ति में आने वाले झटकों के प्रति संवेदनशीलता को कम करने के लिए तेल, गैस, कोयला, धातुओं और महत्वपूर्ण खनिजों की खोज को गति प्रदान करनी चाहिए।

प्रथम पृष्ठ का शेष

सभापति ने नहीं दी चर्चा की अनुमति,विपक्ष का वाकआउट

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मैं लापता लोगों की बात कर रहा। अजय चंद्राकर के यह कहे जाने पर कि लापता हो या कोई भी हो, विपक्षी विधायकों ने शोर मचाना शुरु कर दिया। कांग्रेस विधायक श्रीमती संगीता सिन्हा ने कहा कि क्या लापता हुए लोगों के प्रति राज्य शासन का कोई दायित्व नहीं बनता। भाजपा विधायक धर्मजीत सिंह ने कहा कि विपक्ष के पास मुद्दा नहीं है। कांग्रेस विधायक उमेश पटेल ने अजय चंद्राकर की बातों पर प्रश्न खड़ा करते हुए भारतीय जनता पार्टी का उल्लेख कर दिया। इस पर भाजपा विधायक सुशांत शुक्ला ने आपत्ति करते हुए कहा कि इसमें भारतीय जनता पार्टी कहां से आ गई। भाजपा विधायक किरण देव ने भी उमेश पटेल की बात पर आपत्ति की। मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं से उमेश जी डर रहे हैं। सभापति धरमलाल कौशिक ने कहा कि विपक्ष ने जिस विषय पर स्थगन दिया है वह भारत निर्वाचन आयोग से संबद्ध है। इसे प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं देता। चर्चा की अनुमति नहीं मिलने पर सारे कांग्रेस विधायक नारेबाजी करते हुए सदन से वाक आउट कर गए।

आवास व अधोसंरचना विकास को मिलेगी नई गति-वित्त मंत्री

वर्तमान में मंडल छत्तीसगढ़ के 33 में से 27 जिलों में सक्रिय है और प्रक्रियात्मक सुधारों के माध्यम से रजिस्ट्री के साथ भौतिक कब्जा सुनिश्चित किया जा रहा है। इसके अलावा 858 करोड़ रुपये की लागत से 146 विकासखंडों में शासकीय आवासों का निर्माण कर मंडल ने अपनी तकनीकी क्षमता भी सिद्ध की है। उन्होंने कहा कि संशोधन के तहत मंडल को केवल आवास निर्माण तक सीमित न रखते हुए टाउन प्लानिंग स्कीम, पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (क्क्क्), जॉइंट वेंचर, रिडेवलपमेंट, स्लम पुनर्विकास और मिश्रित भूमि उपयोग जैसी आधुनिक विकास अवधारणाओं को लागू करने की अनुमति दी गई है। यह संशोधन गृह निर्माण मंडल को एक सशक्त, सक्षम और बहुआयामी संस्था के रूप में स्थापित करेगा। इससे राज्य में सुनियोजित, टिकाऊ और समावेशी शहरी विकास को बढ़ावा मिलेगा तथा आम नागरिकों को बेहतर आवास और आधुनिक अधोसंरचना सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए गोपाल स्नैक्स की बड़ी पहल

राजकोट : भारत के कई शहरों और गांवों में हर महीने माता-पिता अपने बच्चों के साथ नजदीकी केंद्रों पर एकत्रित होते हैं और पीढ़ियों से चली आ रही एक सरल आयुर्वेदिक परंपरा का हिस्सा बनते हैं। कई परिवारों के लिए यह केवल एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि अपनी संतानों को अधिक पुष्ट और आरोग्यवान बनाने के संकल्प से जुड़ा एक मंगलकारी प्रयास है। आज यह परंपरा 'मंत्रौषधि सुवर्णप्राशन अभियान' के माध्यम से प्रति माह सात लाख से अधिक बालकों तक पहुँच रही है। यह पहल बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने पर केंद्रित है और इसका ध्येय बालकों के स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाना है। इस कार्यक्रम को गोपाल स्नैक्स लिमिटेड के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (ष्टस्क्र) के अंतर्गत निरंतर सहयोग प्राप्त हो रहा है। कंपनी मई 2023 से इस पहल से जुड़ी हुई है और कार्यक्रम के विस्तार हेतु प्रति वर्ष लगभग ?1.5 करोड़ का योगदान दे रही है। देशभर के स्वयंसेवकों और सामुदायिक केंद्रों की सहायता से यह कार्यक्रम परिवारों को एकजुट कर बालकों को अधिक सुदृढ़ और स्वस्थ बनाने के ध्येय को पूर्ण कर रहा है।इस पहल का मुख्य केंद्र 'सुवर्णप्राशन' है, जोआयुर्वेद का एक पुराना और असरदार तरीका है। माना जाता है कि बचपन से ही इसे शुरू करने से बच्चों की रोगों से लड़ने की शक्ति बढ़ती है और उनका शरीर और दिमाग, दोनों अच्छे से विकसित होते हैं। इस मुहिम से जुड़े कई माता-पिता ने बताया है कि उन्हें बहुत अच्छे नतीजे मिले हैं, खासकर उन बच्चों में जो पहले बहुत जल्दी-जल्दी बीमार पड़ जाते थे। वाराणसी के श्री विश्वनाथ दातार की मेहनत का हीपरिणाम है कि आज यह अभियान घर-घर पहुँच रहा है। आयुर्वेद में रुचि के चलते उन्होंने 38 साल तक रिसर्च की और 1970 में इस परंपरा को दोबारा शुरू किया। 55 साल का यह सफर आज 850 केंद्रों और 1,600 स्वयंसेवकों तक पहुँच चुका है।

छत्तीसगढ़ में लईका घर के दो साल पूरे, राज्यभर में चाइल्ड केयर बढ़ाने के लिए 'केयर सर्कल' बनाने की अपील

नगरी: लईका घर कार्यक्रम की दूसरी वर्षगांठ के मौके पर, मोबाइल क्रेचेस ने छोटे बच्चों की देखभाल करने वाले केयरगिवर्स और स्थानीय समुदाय के लोगों को एक साथ जोड़ा। छत्तीसगढ़ में लगभग 46त्न महिलाएँ काम-काज से जुड़ी हैं, जिनमें से ज्यादातर खेती-किसानी, वनोपज इकट्ठा करने और दिहाड़ी मजदूरी जैसे असंगठित क्षेत्रों में मेहनत करती हैं। वहीं दूसरी ओर, राज्य में 3 साल से कम उम्र के 17 लाख से ज्यादा बच्चे हैं, जिनमें से कई बच्चों के पास माता-पिता के काम पर जाने के बाद सुरक्षित देखभाल का कोई ज़रिया नहीं है।ज़रूरत इतनी ज़्यादा होने के बावजूद, क्रेच सुविधाएं बहुत कम जगहों पर ही उपलब्ध हैं, जिससे कामकाजी और कमजोर वर्ग के परिवारों के बच्चों की देखभाल में एक बड़ा अंतर बना हुआ है।

छत्तीसगढ़ में महिलाओं की कामकाजी भागीदारी देश में सबसे ज्यादा दरों में से एक है, लेकिन इसके बावजूद सुरक्षित बच्चों की देखभाल की सुविधा आज भी हजारों कामकाजी परिवारों के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

पिछले दो सालों मेंनगरी के 'लइका घर' क्रैच समाज के लिए एक ऐसे जरूरी ठिकाने के रूप में उभरे हैं, जो 7 महीने से 3 साल तक के बच्चों के सर्वांगीण विकास में मदद कर रहे हैं। ये केंद्र बच्चों को एक साथ कई सुविधाएं देते हैं, जैसे—सही पोषण, स्वास्थ्य देखभाल, सुरक्षा, साफ-सफाई, प्यार भरी देखरेख और शुरुआती खेल-कूद वाली शिक्षा। ये सभी चीजें बच्चों की बढ़त और उनके शुरुआती सीखने के लिए बहुत जरूरी हैं।

बच्चों की मदद करने के साथ-साथ, इस कार्यक्रम ने स्थानीय महिलाओं के लिए कमाई के ज़रिए भी पैदा किए हैं। इन महिलाओं कोदेखभाल करने वाली (केयरगिवर्स)और सामुदायिक लीडर के रूप में ट्रेनिंग दी गई है, जिससे स्थानीय स्तर पर परिवारों को बच्चों की सही परवरिश और देखभाल के तरीके सिखाने की ताकत मिली है।

इस साल का आयोजनमजबूत नींव से सुनहरे भविष्य तक: केयरगिवर्स रच रहे हैं बेहतर शुरुआत卐थीम पर किया गया। इस कार्यक्रम में वे अनुभवी केयरगिवर्स भी शामिल हुए जो शुरुआत से इस पहल का हिस्सा रहे हैं, साथ ही नए जुड़े केयरगिवर्स भी आए। यह एक ऐसा मंच बना जहां उनके योगदान को सराहा गया, नए सदस्यों का स्वागत किया गया और अब तक के सफर पर नजर डाली गई।केयरगिवर्स और अभिभावकों ने अपने अनुभव भी साझा किए कि कैसे क्रेच सुविधाओं ने बच्चों के बेहतर विकास में मदद की है और माता-पिता को काम जारी रखने में सहारा दिया है। केयरगिवर्स द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने इस आयोजन को और भी जीवंत बना दिया।

केयर सर्कल बनाने की अपील- बच्चों की देखभाल के लिए सेवाओं को तेजी से बढ़ाने की ज़रूरत को समझते हुए, मोबाइल क्रेचेस ने 'केयर सर्कल' बनाने का प्रस्ताव रखा है। यह एक साझा मंच होगा, जहां सामाजिक संस्थाएं, स्थानीय संगठन और सरकारी भागीदार मिलकर पूरे राज्य में बच्चों की देखभाल की व्यवस्था को और मजबूत करने की दिशा में काम करेंगे।

संपादकीय

अमेरिका की बेपरवाही की मिसाल

भारत के अतिथि जहाज को भारतीय जल क्षेत्र के करीब डुबो देना भारत की प्रतिष्ठा के प्रति अमेरिका की बेपरवाही की मिसाल है। इसलिए इस घटना पर भारत को औपचारिक विरोध एवं आपत्ति अवश्य दर्ज करानी चाहिए। ईरान पर अमेरिका- इजराइल के हमले से पश्चिम एशिया में शुरू हुए युद्ध की आंच बुधवार को भारत तक पहुंच गई, जब भारतीय जलसीमा के करीब ईरान के जहाज इरिस देना को अमेरिका ने डुबो दिया। अमेरिका के युद्ध मंत्री पीटर हेगसेट ने इसे अपने देश की एक बड़ी सैन्य सफलता के रूप में पेश कर इस बारे में कोई भ्रम नहीं रहने दिया कि ये कार्रवाई योजनाबद्ध ढंग से की गई। अमेरिका ने ऐसा करने को सोचा, यह भारत के प्रति उसके तौहीनी नजरिए का परिचायक है। आखिर वो जहाज भारतीय नौसेना के अंतरराष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा कार्यक्रम- मिलन- में भाग लेने भारत के आमंत्रण पर आया था। विशाखपत्तमन में इस कार्यक्रम में भाग लेकर वह लौट रहा था। ईरान ने कहा है कि चूंकि जहाज युद्ध से बाहर के क्षेत्र से गुजर रहा था, अत: उसकी हथियार प्रणालियों को सुरक्षित एवं निष्क्रिय मोड में रखा गया था। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है- 'हम मान कर चल रहे थे कि हम दोस्ताना जल क्षेत्र में हैं, अत: जहाज पर सवार अधिकांश लोग समारोहों में भाग लेने वाले गैर लड़ाकू कर्मचारी थे।' डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने ऐसे जहाज पर हमला करने को सोचा, यह तमाम अंतरराष्ट्रीय कानूनों और मर्यादाओं को ठेंका दिखाने के उसके नजरिए मेल खाता है। मगर ऐसा भारत के अतिथि जहाज के साथ भारतीय जल क्षेत्र के करीब करना भारत की चिंताओं के प्रति उसकी असंवेदनशीलता की भी मिसाल है। इसलिए इस घटना पर भारत को औपचारिक विरोध एवं आपत्ति दर्ज करानी चाहिए। दुनिया में प्रतिष्ठित स्थान प्राप्त करने की सबसे पहली शर्त खुद अपनी प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहना होता है। वेनेजुएला और ईरान के मामलों में अंतरराष्ट्रीय नियमों के पक्ष में आवाज ना उठा कर भारत ने पहले ही अपनी अंतरराष्ट्रीय हैसियत की अनदेखी की है। मगर अब बात सैद्धांतिक रुख तय करने की नहीं, बल्कि अपने मामले में बोलने की है। कम-से-कम यह अवश्य कहा जाना चाहिए कि अमेरिका अपने युद्ध की आंच हम तक पहुंचाए। भारत के क्षितिज पर वैसे ही अमेरिकी युद्ध के आर्थिक दुष्परिणामों का अंदेशा सघन होता जा रहा है।

उत्पादन, परिवर्तन और विविधीकरण- भारत ने किस प्रकार अपनी ऊर्जा प्रणाली को गतिशील बनाया

आम तौर पर, संरचनात्मक ऊर्जा परिवर्तन शायद ही कभी आरामदायक समय के दौरान होते हैं। वे तब होते हैं जब किसी संकट की लंबे समय तक अनदेखी की जाती है और उसके प्रति निष्क्रिय भाव रखा जाता है। यद्यपि, पिछले 11 वर्षों के दौरान, मोदी सरकार ने इसके विपरीत काम किया है। इसने ऊर्जा क्षेत्र में संरचनात्मक परिवर्तन किए, तब भी जब परिस्थितियां प्रतिकूल नहीं थीं। इसने भारत को वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधानों को सहन करने के प्रति अधिक क्षमता निर्माण में सक्षम बनाया। मोदी सरकार ने घरेलू उत्पादन का विस्तार करके, नए ऊर्जा स्रोतों में परिवर्तन का प्रबंधन करके और आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाकर, अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए बाहरी झटकों का सामना करने में देश को अधिक सक्षम बना दिया है।

भारत के लिए इस समस्या का समाधान करने का मार्ग कभी भी मुश्किल नहीं था। आवश्यकता थी, इसे लगातार आगे बढ़ाने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति की। पिछले एक दशक में, मोदी सरकार ने अपनी योजनाओं पर बने रहने का निर्णय लिया। मोदी सरकार ने खुद को आम लोगों के प्रति जवाबदेह बनाया है, जो अपनी समस्याओं का समाधान चाहते थी। इसकी कार्यनीति तीन स्तंभों पर टिकी हुई थी और प्रत्येक ने सरकार से एक अलग तरह की प्रतिबद्धता की मांग की। पहले कार्यनीति घरेलू उत्पादन की थी। पेट्रोल के साथ इथेनॉल मिलाने की कार्यप्रणाली 2001 में एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में आरंभ हुई थी। फिर भी कई वर्षों तक, भारत ने कोई प्रगति नहीं की और इथेनॉल उत्पादन स्थिर रहा। 2014 के बाद ही व्यापक सुधारों की एक श्रृंखला के माध्यम से, भारत इस पहल की पूरी क्षमता का उपयोग करने में सक्षम हुआ। मोदी सरकार के तहत, देश ने ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने, जलवायु परिवर्तन से निपटने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए व्यापक सुधारों की एक श्रृंखला आरंभ की। इथेनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम (ईबीपी) के तहत शुरू में 2030 के लिए पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। हालांकि, 2020 में, आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने इस लक्ष्य को 2025 तक विस्तारित कर दिया, क्योंकि इसने भू-राजनीतिक झटकों की स्थिति में ऊर्जा आयात के प्रति देश की निर्बलता को कम करने के लिए नए सिरे से ध्यान केंद्रित किया। प्रयासों और नीतिगत फोकस के परिणामस्वरूप, पेट्रोल में इथेनॉल ब्लेंडिंग 2014 में 1.5 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 20 प्रतिशत हो गया, जो 11 वर्षों में 13 गुना वृद्धि है। इथेनॉल उत्पादन 2014 में 38 करोड़ लीटर से बढ़कर जून 2025 तक 661.1 करोड़ लीटर हो गया। 20 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम अब सालाना लगभग 44 मिलियन बैरल कच्चे तेल को विस्थापित करता है। दूसरी कार्यनीति सही तरीके से ऊर्जा परिवर्तन करने से संबंधित थी। मोदी सरकार ने सभी स्तरों पर देश के इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) उद्योग के विकास का समर्थन किया। इसने ऑटोमोबाइल क्षेत्र में शत-प्रतिशत एफडीआई की अनुमति दी, जिसने पिछले चार वर्षों में एफडीआई में 36 बिलियन डॉलर को आकर्षित किया है। प्रौद्योगिकी नवोन्मेषण को प्रोत्साहित करने और ऑटोमोबाइल विनिर्माण क्षेत्र में आपूर्ति श्रृंखला क्षमता का निर्माण करने के लिए प्रोत्साहन योजनाएं आरंभ की गईं। भारत में (हाइब्रिड) ईवी का फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग (फेम इ) 2015 में इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहन प्रौद्योगिकी को अपनाने और विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए लॉन्च किया गया था, जिससे इस क्षेत्र का सतत विकास सुनिश्चित हो सके। योजना के पहले चरण में, लगभग 2.78 लाख ईवी जोड़े गए, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 59 मिलियन लीटर ईंधन की बचत हुई। फेम इंडिया योजना के परिणाम और अनुभव के आधार पर, फेम का दूसरा चरण 2019 में आरंभ किया गया।

गौरैया: आंगन की चिरैया, प्रकृति की संवेदना

सुनील कुमार महला

प्रतिवर्ष 20 मार्च को 'विश्व गौरैया दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने के पीछे का मुख्य उद्देश्य गौरैया तथा अन्य छोटे पक्षियों के संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना, उनकी निरंतर घटती संख्या के कारणों को समझाना, जैव-विविधता(बायो-डायवर्सिटी) के महत्व को रेखांकित करना तथा लोगों को पेड़-पौधे लगाने, कृत्रिम घोंसले बनाने और पक्षियों के लिए दाना-पानी उपलब्ध कराने जैसे व्यावहारिक कदम उठाने के लिए प्रेरित करना है। इस दिवस की शुरुआत वर्ष 2010 में भारत की संस्था नेचर फेरएवर सोसायटी द्वारा की गई थी, जिसके संस्थापक पर्यावरणविद् मोहम्मद दिलावर हैं। यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि इसका मूल उद्देश्य गौरैया संरक्षण के लिए एक वैश्विक मंच तैयार करना था, जिससे इस छोटे किंतु अत्यंत महत्वपूर्ण पक्षी के प्रति लोगों में संवेदनशीलता विकसित हो सके। एक समय था जब घर-आंगन में गौरैया की चहचहाहट हमारे सामान्य जीवन का हिस्सा हुआ करती थी, किंतु बदलती जीवनशैली, पक्के मकानों के बढ़ते चलन और घटते हरित क्षेत्र के कारण आज इनकी संख्या में भारी गिरावट देखी जा रही है और इसका सीधा व प्रत्यक्ष प्रभाव हमारे पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र(इको सिस्टम) पर पड़ रहा है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज बढ़ती आबादी, तीव्र शहरीकरण, औद्योगीकरण, कंक्रीट के जंगलों का विस्तार, ध्वनि, जल तथा वायु प्रदूषण, मोबाइल टावरों से निकलने वाला विकिरण, वनों की अंधाधुंध कटाई, प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन, कीटनाशकों और रसायनों का अत्यधिक उपयोग तथा कृषि में तकनीकी बदलाव जैसे अनेक कारण गौरैया के अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा बन चुके हैं। वास्तव में, छोटे पक्षी विशेष रूप से ध्वनि प्रदूषण को सहन नहीं कर पाते, वहीं टावरों से निकलने वाली तरंगें उनकी प्रजनन क्षमता पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। इतना ही नहीं, आधुनिक ईंधनों में प्रयुक्त रसायन जैसे बेंजीन और मिथाइल तृतीयक ब्यूटाइल ईथर उन कीटों को नष्ट कर देते हैं, जिन पर गौरैया के बच्चे निर्भर रहते हैं। उद्यानों में कीटनाशकों और शाकनाशियों के अत्यधिक उपयोग से भी कीटों की संख्या में कमी आई है, जिससे इनके भोजन का संकट उत्पन्न हो गया है। शहरी क्षेत्रों में पारंपरिक घोंसला स्थलों की कमी, कांच से बनी बंद इमारतों का बढ़ता प्रचलन तथा उपयुक्त भोजन की अनुपलब्धता इनके प्रजनन को लगातार प्रभावित कर रही है। बदलती वास्तुशैली और सांस्कृतिक परिवर्तनों ने इनके आवास और खाद्य स्रोतों को लगभग समाप्त कर दिया है। बहरहाल, यदि हम यहां पर आंकड़ों की बात करें तो विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार भारत में घरेलू गौरैया की संख्या में लगभग 60 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गई है।पक्षियों के संरक्षण के लिए रॉयल सोसाइटी(रॉयल सोसाइटी फ़ोर दि प्रोटेक्शन ऑफ बर्ड्स) ने इसे अपनी लाल सूची(रेड-लिस्ट) में शामिल किया है। गौरतलब है कि विश्व में गौरैया की लगभग 26 प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से 5 भारत में मिलती हैं। यह बिहार का राज्य पक्षी है तथा वर्ष 2012 में इसे दिल्ली का राज्य पक्षी घोषित किया गया।भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद(आइसीएआर) के अनुसार आंध्र प्रदेश में इसकी संख्या में 80 प्रतिशत तक कमी आई है, जबकि केरल, गुजरात और राजस्थान में लगभग 20 प्रतिशत गिरावट दर्ज की गई है। 'स्टेट ऑफ इंडियाज बर्ड्स' रिपोर्ट के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में इसकी संख्या अपेक्षाकृत स्थिर बनी हुई है, जबकि महानगरों में 70 से 80 प्रतिशत तक गिरावट देखी गई है।

हाल फ़िलहाल, यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि गौरैया पासेरीडे परिवार की एक सामाजिक और सर्वाहारी पक्षी है, जो झुंड में रहना पसंद करती है। यह मुख्यत: बीज, कीड़े, जामुन और फल खाती है। इसकी सामान्य उड़ान गति लगभग 24 मील प्रति घंटा होती है, जो खतरे की स्थिति में 31 मील प्रति घंटा (लगभग 45 किलोमीटर प्रति घंटा) तक पहुंच सकती है। इसकी औसत आयु 4 से 5 वर्ष होती है। यह दीवारों, पेड़ों के कोटरों, झाड़ियों, पुराने घरों, रोशनदानों और खिड़कियों में घोंसला बनाती है। नर गौरैया अपने घोंसले की रक्षा आक्रामक रूप से करता है और यह पक्षी सामान्यत: जीवनभर एक ही साथी के साथ रहने की प्रवृत्ति रखता है, जो इसकी वफादारी को दर्शाता है। पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में गौरैया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह अल्फा और कटवर्म जैसे हानिकारक कीटों को खाकर फसलों की रक्षा करती है, इसलिए इसे किसानों का मित्र कहा जाता है। यहां पाठकों के साथ एक दिलचस्प तथ्य शेयर करना चाहूंगा कि वर्ष 1958 में चीन में 'चार कीट अभियान'(फ़ोर पेस्ट्स कैंपेन) के दौरान गौरैया को बड़े पैमाने पर नष्ट कर दिया गया था, जिसके परिणामस्वरूप टिड्डों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि हुई और वहां भीषण अकाल पड़ा। चीन की यह घटना गौरैया के पारिस्थितिक महत्व को स्पष्ट रूप से रेखांकित करती है।

उल्लेखनीय है कि गौरैया को 'पर्यावरण का थर्मामीटर' भी कहा जाता है, क्योंकि इसकी उपस्थिति किसी क्षेत्र के स्वस्थ पर्यावरण का संकेत देती है। यह अत्यंत संवेदनशील पक्षी है और सूक्ष्म धूल कणों से उत्पन्न ऑक्सीडेटिव तनाव से प्रभावित होता है। साथ ही, सामान्य मैना जैसे पक्षियों से प्रतिस्पर्धा भी इसकी संख्या में कमी का एक कारण है। यह पक्षी सामाजिक संकेतों के माध्यम से अपने साथियों को खतरे की सूचना देता है, धूल में नहाकर परजीवियों से स्वयं को सुरक्षित रखता है तथा कम पानी में भी जीवित रह सकता है। इसकी हृदय गति लगभग 460 से 600 प्रति मिनट तक होती है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार मानव और गौरैया का संबंध लगभग 10,000 वर्ष पुराना है, जो सह-अस्तित्व और पारिस्थितिक संतुलन का प्रतीक है। इतना ही नहीं, गौरैया का सांस्कृतिक महत्व भी अत्यधिक रहा है। भारतीय लोकजीवन में इसे परिवार के सदस्य की तरह स्नेह और अपनापन मिला है। वर्तमान में पक्षी-मित्र आवास, कृत्रिम घोंसले तथा गौरैया पर्यटन जैसी पहलें सकारात्मक संकेत दे रही हैं। हर साल इस दिवस की एक थीम रखी जाती है और वर्ष 2025 की थीम 'प्रकृति के नन्हे दूतों को सम्मान' थी, जबकि वर्ष 2026 की थीम 'गौरैया: हमारे पड़ोसी, जिन्हें आवश्यकता है' रखी गई है, जो मानव और प्रकृति के बीच संबंधों को पुनर्स्थापित करने का संदेश देती है।

अंतत:, गौरैया संरक्षण के लिए किसी बड़े निवेश की आवश्यकता नहीं है, बल्कि छोटे-छोटे प्रयास ही पर्याप्त सिद्ध हो सकते हैं-जैसे घरों में दाना-पानी रखना, मिट्टी के बर्तनों (परिंडे) का उपयोग करना, पौधे लगाना, कृत्रिम घोंसले बनाना तथा पर्यावरण संरक्षण को अपनी जीवनशैली का अभिन्न अंग बनाना। निष्कर्षत:, गौरैया केवल एक साधारण पक्षी नहीं, बल्कि पर्यावरण संतुलन की आधारशिला है; इसका संरक्षण मानवता के सुरक्षित और संतुलित भविष्य की गारंटी है।

जीवन के पन्ने पलटने प्रेरित करती 'जब खुली किताब'

पंकज दुबे

पंकज कपूर का किरदार इस कहानी का भावनात्मक केंद्र है। उनका चरित्र एक ऐसे व्यक्ति का है, जो जीवन भर अपने भीतर बहुत कुछ दबा कर जीता रहा है। उसके व्यक्तित्व में एक गहरी चुप्पी है।.. डिंपल कपाड़िया का किरदार इस कहानी में स्मृतियों और भावनाओं की एक महत्वपूर्ण धुरी बनकर उभरता है। उनके और पंकज कपूर के बीच जो संवाद और मौन के क्षण हैं, वही इस फ़िल्म की आत्मा बन जाते हैं।

सिने-सोहबत- मौजूदा दौर में जब अधिकांश हिंदी फिल्में तेज़ रफ्तार मनोरंजन, एक्शन और सतही रोमांस के ईर्द-गिर्द घूमती दिखाई देती हैं, ऐसे में कुछ फ़िल्में ऐसी भी आती हैं, जो दर्शकों को ठहर कर सोचने पर मजबूर करती हैं। लेखक-निर्देशक सौरभ शुक्ला की फ़िल्म जब खुली किताब ऐसी ही एक संवेदनशील और आत्ममंथन कराने वाली फिल्म है। यह फ़िल्म किसी बड़े नाटकीय घटनाक्रम या बाहरी शोर-शराबे पर निर्भर नहीं करती, बल्कि मनुष्य के भीतर चलने वाले संवादों, रिश्तों के अनकहे दर्द और समय की परतों में दबे सच को धीरे-धीरे खोलती है, बिलकुल एक पुरानी किताब की तरह, जो वर्षों बाद खुलने पर अपनी महक और स्मृतियों से हमें भर देती है।

फ़िल्म का शीर्षक ही अपने आप में एक रूपक है, किताब, जो खुलने पर सिर्फ शब्द नहीं, बल्कि जीवन के छिपे अध्याय सामने ले आती है। सौरभ शुक्ला ने इस विचार को बेहद सूक्ष्म और संवेदनशील तरीके से पर्दे पर उतारा है।

फ़िल्म की कहानी मूलत: कुछ ऐसे लोगों के ईर्द-गिर्द घूमती है, जिनके जीवन में कई अनकहे सच और अधूरे संवाद छिपे हुए हैं। उम्र के एक ऐसे पड़ाव पर पहुंचकर, जब इंसान पीछे मुड़ कर अपने जीवन को देखने लगता है, तब उन्हें अहसास होता है कि कई बातें कहे बिना रह गईं, कई रिश्ते समझे बिना ही टूट गए और कई फैसलों की वजहें कभी खुलकर सामने नहीं आईं।

पंकज कपूर का किरदार इस कहानी का भावनात्मक केंद्र है। उनका चरित्र एक ऐसे व्यक्ति का है, जो जीवन भर अपने भीतर बहुत कुछ दबा कर जीता रहा है। उसके व्यक्तित्व में एक गहरी चुप्पी है। एक ऐसी चुप्पी, जो केवल शब्दों की कमी नहीं, बल्कि भावनाओं का बोझ है। समय के साथ जब परिस्थितियां बदलती हैं और लोग आमने-सामने बैठ कर अपने जीवन के पन्ने पलटते हैं, तब यह चुप्पी धीरे-धीरे खुलने लगती है।

डिंपल कपाड़िया का किरदार इस कहानी में स्मृतियों और भावनाओं की एक महत्वपूर्ण धुरी बनकर उभरता है। उनके चेहरे पर समय की परिपक्वता और जीवन के अनुभवों की झलक दिखाई देती है। उनके और पंकज कपूर के बीच जो संवाद और मौन के क्षण हैं, वही इस फ़िल्म की आत्मा बन जाते हैं।

फ़िल्म में अपारशक्ति खुराना और समीर सोनी जैसे कलाकार भी हैं, जो नई पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी के बीच संवाद की खाई को दर्शाते हैं। यह पीढ़ियों के बीच का वह अंतर है जहां एक तरफ अनुभवों की विरासत है और दूसरी तरफ बदलते समय की बेचैनी।

सौरभ शुक्ला के निर्देशन में सादगी में गहराई साफ़ दिखती है। सौरभ हिंदी सिनेमा में एक ऐसे कलाकार हैं, जिनकी पहचान बहुआयामी है। वे अभिनेता भी हैं, लेखक भी और निर्देशक भी। 'जब खुली किताब' में उनका लेखक और निर्देशक दोनों रूप बेहद परिपक्व दिखाई देता है। उन्होंने इस फ़िल्म को किसी बड़े सिनेमाई तमाशे की तरह नहीं रचा, बल्कि एक अंतरंग नाटक की तरह गढ़ा है। फ़िल्म का ट्रीटमेंट बेहद संयमित है। संवादों में शोर नहीं है, बल्कि एक गहरी संवेदना है। कई जगहों पर सौरभ शुक्ला संवादों की बजाय मौन का इस्तेमाल करते हैं और यही मौन दर्शक को पात्रों के मन के भीतर झांकने का मौका देता है।

दरअसल, पहले 'जब खुली किताब' एक नाटक के रूप में बनाया गया गया था, जिसमे मुख्य भूमिका में भी सौरभ ने खुद ही काम किया था। यह फ़िल्म हमें याद दिलाती है कि सिनेमा केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन को समझने का भी एक जरिया हो सकता है।

इस फ़िल्म की एक बड़ी ताकत इसके कलाकार हैं। पंकज कपूर हिंदी सिनेमा और रंगमंच के उन दुर्लभ अभिनेताओं में से हैं, जो चरित्र को जीवित कर देते हैं। इस फ़िल्म में उनका अभिनय अत्यंत सूक्ष्म और प्रभावशाली है। वे अपने चेहरे के भाव, आंखों की नमी और आवाज़ के उतार-चढ़ाव से एक ऐसे व्यक्ति की मनस्थिति को दर्शाते हैं, जो वर्षों से अपने भीतर बहुत कुछ दबा कर जी रहा है। डिंपल कपाड़िया का अभिनय भी बेहद प्रभावशाली है। उन्होंने अपने किरदार में गरिमा और संवेदनशीलता का सुंदर संतुलन बनाया है। उनके संवादों में एक गहराई है और कई बार उनका मौन ही सबसे अधिक बोलता है।

अपारशक्ति खुराना इस फ़िल्म में एक अलग रंग लेकर आते हैं। वे आज की पीढ़ी की बेचैनी, सवाल और व्यावहारिकता को बखूबी प्रस्तुत करते हैं। उनके अभिनय में सहजता है और वे फिल्म के भावनात्मक प्रवाह को संतुलित करते हैं। समीर सोनी भी अपने सीमित लेकिन महत्वपूर्ण किरदार में प्रभाव छोड़ते हैं। उनका अभिनय कहानी के कई भावनात्मक आयामों को उजागर करता है।

ईरान की सीमाओं पर दिख रही दर्दनाक कहानियाँ, भाग जाना चाहते हैं लोग मगर पड़ोसी देशों ने दरवाजे कर रखे हैं बंद

नीरज कुमार दुबे

पश्चिम एशिया और मध्य पूर्व इस समय सिर्फ युद्ध का मैदान नहीं, बल्कि इंसानी त्रासदी का सबसे खौफ़नाक मंच बन चुका है। ईरान पर हो रहे हमलों ने सिर्फ इमारतों को नहीं गिराया, बल्कि वहां के लोगों की जिंदगी की बुनियाद ही हिला दी है। शहरों में धुएं के गुबार हैं, सायरनों की आवाजें हैं और हर तरफ एक ही सवाल गूंज रहा है कि अब जाएं तो जाएं कहां?

तेहरान से लेकर सीमावर्ती इलाकों तक, लोग अपने घर, अपनी जमीन, अपना सब कुछ छोड़कर निकल पड़े हैं। लेकिन यह कोई सामान्य पलायन नहीं है। यह मजबूरी का वह काफ़िला है जो हर कदम पर अनिश्चितता से टकरा रहा है। लाखों लोग अपने ही देश में विस्थापित हो चुके हैं और जो सीमा की तरफ बढ़ रहे हैं, उनके सामने नई मुश्किलें खड़ी हैं।

ईरान की सीमाएं आज खुली कम और उलझी ज्यादा नजर आ रही हैं। तुर्की की सीमा पर हजारों लोग पहुंच रहे हैं, लेकिन वहां उनका स्वागत नहीं, बल्कि रोक इंतजार कर रही है। सख्त जांच, सीमित प्रवेश और अस्थायी शिविरों की योजना यह साफ संकेत देती है कि पड़ोसी देश इस बार दरवाजे पूरी तरह खोलने के मूड़ में नहीं हैं। सीरिया संकट से मिली सीख ने उन्हें सतर्क बना दिया है।

अजरबैजान ने कुछ सीमित राहत जरूर दी है, लेकिन यह राहत चुनिंदा लोगों तक ही सीमित है। आम ईरानी नागरिक के लिए सीमा पार करना अब किसी जुए से कम नहीं। लोग कई दिनों तक सीमा के पास फंसे रहते हैं, बिना भोजन, बिना सुरक्षा और बिना किसी भरोसे के।

सबसे दर्दनाक तस्वीर उन परिवारों की है जो बंट चुके हैं। कोई सदस्य सीमा पार कर गया, तो कोई पीछे छूट गया। बच्चों की पढ़ाई ठप है, अस्पतालों में संसाधनों की कमी है और बाजारों में जरूरी सामान तक मिलना मुश्किल हो गया है। लोग शहरों से निकलकर गांवों और पहाड़ों में शरण ले रहे हैं, जहां कम से कम बमों का खतरा थोड़ा कम है।

हम आपको बता दें कि ईरान के भीतर हालात हर गुजरते दिन के साथ और बदतर होते जा रहे हैं। शहरों में बिजली और पानी की आपूर्ति बार बार ठप हो रही है, अस्पतालों में दवाइयों की कमी गहराती जा रही है और सामान्य इलाज तक मिलना मुश्किल हो गया है। बाजारों में जरूरी सामान या तो गायब है या आसमान छूती कीमतों पर बिक रहा है। लोग घंटों कतारों में खड़े होकर सिर्फ रोटी और ईंधन जुटाने की जद्दोजहद कर रहे हैं। बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह ठहर चुकी है और मानसिक दबाव इतना बढ़ गया है कि हर घर के भीतर डर ने स्थायी जगह बना ली है। यह सिर्फ युद्ध का असर नहीं, बल्कि धीरे धीरे टूटती एक पूरी जिंदगी की तस्वीर है।

लेकिन असली झटका तब लगता है जब पड़ोसी देशों के रुख पर नजर जाती है। सहानुभूति जरूर है, बयान भी हैं, लेकिन जमीन पर दरवाजे बंद हैं। हर देश अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहा है। उन्हें डर है कि अगर यह लहर खुली, तो यह इतिहास का सबसे बड़ा शरणार्थी संकट बन सकती है।

यूरोप पहले से ही संभावित दबाव को लेकर चिंतित है। खाड़ी के देश पूरी तरह अलर्ट मोड में हैं। वहां हालात और भी तनावपूर्ण हैं। बहरीन में सायरन बज रहे हैं, लोगों को घरों में रहने की चेतावनी दी जा रही है। कतर और यूएई जैसे देशों में सुरक्षा इंतजाम कई गुना बढ़ा दिए गए हैं।

हम आपको बता दें कि खाड़ी क्षेत्र में एक देश से दूसरे देश की यात्रा अब आसान नहीं रही। हवाई रास्तों पर खतरा मंडरा रहा है, समुद्री रास्ते तनाव से भरे हैं और हर सीमा पर सख्ती बढ़ा दी गई है। यह सिर्फ ईरान का संकट नहीं रहा, बल्कि पूरे क्षेत्र की स्थिरता को हिला देने वाला दौर बन चुका है। विशेषज्ञों की चेतावनी और भी डरावनी है। उनका कहना है कि अगर यह संघर्ष लंबा खिंचता है, तो विस्थापन का आंकड़ा विस्फोटक रूप ले सकता है। अभी जो स्थिति दिख रही है, वह सिर्फ शुरुआत हो सकती है।

देखा जाये तो ईरान एक ऐसा देश रहा है जिसने वर्षों तक दूसरे देशों के शरणार्थियों को जगह दी, लेकिन आज वही देश अपने नागरिकों को बचाने में जूझ रहा है। यह विडंबना ही है कि जो कभी शरण देता था, आज खुद शरण की तलाश में है। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे ज्यादा पीड़ित वही आम इंसान है, जिसके पास न ताकत है, न विकल्प। सीमाएं नक्शे पर खींची जाती हैं, लेकिन उनका बोझ इंसान की जिंदगी पर पड़ता है। आज ईरान की सीमाएं सिर्फ भौगोलिक रेखाएं नहीं रह गई हैं। वे डर, राजनीति और असुरक्षा की दीवार बन चुकी हैं। लोग भाग रहे हैं, लेकिन रास्ते बंद हैं। देश खड़े हैं, लेकिन दिल बंद हैं। और सबसे बड़ा सवाल अब भी वहीं है कि क्या दुनिया सिर्फ देखती रहेगी, या कोई दरवाजा सच में खुलेगा?

बढ़ती उम्र में जीवनशैली में बदलाव से नजर आयेंगी युवा

अगर आप चाहती हैं कि आपका शरीर उम्र के साथ ढीला न पड़े तो रेजिस्टेंस ट्रेनिंग आपकी रूटीन का हिस्सा होनी चाहिए। वेट ट्रेनिंग आपकी बॉडी मसल्स को मेंटेन रखती है। इसके लिए हल्का वजन उठाने से शुरुआत करें और धीरे-धीरे वजन की मात्रा बढ़ाएं। बेहतरीन रिजल्ट के लिए वेट ट्रेनिंग के दौरान पूरी बॉडी पर फोकस करें।

प्रोटीन का अधिक सेवन करें

प्रोटीन की कमी से शरीर में मसल लॉस हो सकता है। 50 साल के बाद आपके शरीर को पहले से ज्यादा प्रोटीन की जरूरत होती है। देखा जाए तो पर किलो वजन के हिसाब से आपके शरीर को 0.8 ग्राम वजन की जरूरत होती है।

खुद को जवान और स्वस्थ बनाए रखने के लिए तीनों बार खाने में प्रोटीन शामिल करें। सिर्फ डिनर में प्रोटीन के बजाय ब्रेकफस्ट और लंच में भी इसे शामिल करें।

विटमिन डी की मात्रा का रखें ध्यान

सनशाइन विटमिन आपके शरीर में काफी परिवर्तन ला सकता है। अगर आपके शरीर में विटमिन डी कम है तो ध्यान रखें कि सुबह सूरज की रोशनी में समय बिताएं और विटमिन डी खाने में शामिल करें।

डायट में शामिल करें ऐंटीऑक्सिडेंट्स

ग्रीन टी में पर्याप्त मात्रा में ऐंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं। इससे आपका मेटाबॉलिक रेट सही रहता है साथ ही फिजिकल परफॉर्मेंस भी सुधरता है। आप अनार खाना भी शुरू कर सकते हैं। ऐंटीऑक्सिडेंट्स फ्री रेडिकल्स से लड़ते हैं जिससे आपकी त्वचा अंदर से खूबसूरत बनती है और उम्र का असर नहीं दिखता।

अपनी गलती मानने में हिचकिचाएं नहीं

पति पत्नी में बहस होना सामान्य है पर झगड़े के बाद माहौल सामान्य हो जाना जितना जरूरी है, उतना ही मुश्किल भी। अक्सर ऐसा होता है कि बहस तो खत्म हो जाती है, लेकिन दोनों के बीच की खामोशी रिश्ते को और ज्यादा जटिल बना देती है। कमरे में चुप्पी और असहजता छाई रहती है, तब समझना मुश्किल हो जाता है कि रिश्ता किस मोड़ पर है। यह वो स्थिति होती है जब न कोई पहल करता है, न कोई अपनी भावनाएं व्यक्त करता है, ना कोई आंखों में आंखें डालकर बात करना चाहता है। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि हम समझदारी से इस असहज माहौल को खत्म करें और दोबारा आपसी सामंजस्य की ओर बढ़ें। इससे अपने रिश्ते को फिर से उसी गर्माहट में वापस ला सकती हैं। बहस की नौबत आने से पहले ही समझदारी दिखाएं हर बहस जरूरी नहीं होती। बहुत सी बहसें छोटी बातों पर शुरू होती हैं और बड़ी बन जाती हैं। ऐसे में अगर शुरुआत में ही कोई एक व्यक्ति धैर्य रख ले, तो बात बिगड़ने से बच सकती है। अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखें, और सामने वाले की बात पूरी सुनें। इससे स्थिति बिगड़ने से पहले ही संभल सकती है।

मन में न रखें

झगड़े के बाद जो असहजता बनी रहती है, उसका बड़ा कारण यह है कि हम मन में पुरानी बातें दोहराते रहते हैं। अगर आप सच में सुलह चाहते हैं, तो मन से उन बातों को जाने देना जरूरी है। यह तय करें कि रिश्ते की शांति 'सही साबित' होने से ज्यादा जरूरी है।

हर बात का विश्लेषण करना बंद करें

बहस के बाद कई बार हम सोचते रहते हैं कि किसने क्या कहा, कैसे कहा और क्यों कहा। लेकिन यह आदत आपको उस स्थिति में अटका देती है। अगर विवाद हल हो चुका है, तो बार-बार उस पर सोचने की जगह अब सामान्य जीवन में लौटने की कोशिश करें।

स्पर्श और स्नेह से भावनात्मक दूरी घटाएं

कभी-कभी शब्द नाकाफी होते हैं और एक गले लगाना या हल्का स्पर्श रिश्ते को फिर से जोड़ देता है। यह संकेत देता है कि आप अब आगे बढ़ना चाहते हैं। इससे न सिर्फ गलतफहमी दूर होती है, बल्कि दोबारा एक दूसरे के करीब आने का रास्ता भी खुलता है।

अपनी गलती मानने में हिचकिचाएं नहीं

किसी भी बहस में गलती सिर्फ एक की नहीं होती। अगर आप सच में रिश्ते को अहमियत देते हैं, तो अपनी तरफ से पहल कर माफ़ी मांगना गलत नहीं है। यह न सिर्फ सामने वाले को भावनात्मक रूप से करीब लाता है बल्कि यह भी दिखाता है कि आप रिश्ते को अहमियत देते हैं।

हल्के-फुल्के अंदाज़ में बात की शुरुआत करें

बहस के बाद अक्सर एक लंबी चुप्पी छा जाती है। इसे तोड़ने के लिए किसी मजेदार घटना या किसी पुराने खुशनुमा पल की चर्चा करें। शुरुआत में थोड़ी झिझक हो सकती है, लेकिन इससे धीरे-धीरे माहौल फिर से सामान्य हो सकता है।

बाहर जायें

अगर झगड़ा घर में हुआ है, तो वहां रहना तनाव को और बढ़ा सकता है। ऐसे में बाहर टहलने जाना, कैफे में बैठना या किसी खुली जगह पर समय बिताना मूड को रीसेट करने का अच्छा तरीका हो सकता है।

उबटन सामग्री

गेहूं का आटा- 2 चम्मच
हल्दी पाउडर- 1 चुटकी
दूध- 1 चम्मच
देसी घी- 1 चम्मच

उबटन बनाने और लगाने का तरीका

गेहूं का आटा, देसी घी, हल्दी और दूध इन चीजों को मिलाकर मुलायम आटा गूंथ लें। फिर इस आटे को फेस पर हल्के हाथों से करीब 15 से 20 मिनट तक रगड़ें। समय पूरा होने के बाद हल्के गुनगुने पानी से फेस वॉश कर लें। वहीं अगर आप बेहतर रिजल्ट पाना चाहती हैं, तो सप्ताह में 3 बार इसको ट्राई करें।

ऐसे काम करता है उबटन

उबटन धीरे-धीरे फेशियल हेयर की ग्रोथ को कमजोर करता है।

यह त्वचा को नेचुरल तरीके से एक्सफोलिएट करता है।

डेड स्किन सेल्स हटाकर ग्लो बढ़ाने का काम करता है।

उबटन से स्किन मुलायम और स्मूद होती है।

हल्दी पिग्मेंटेशन और टैनिंग को कम करने में मदद करती है।

दूध और देसी घी त्वचा को गहराई से मॉइस्चराइज करते हैं

फेशियल हेयर हटाने के लिए आटा, देसी घी, हल्दी और दूध का इस्तेमाल कर सकते हैं। इन चीजों से बना उबटन न सिर्फ अनचाहे बालों को हटाने बल्कि स्किन को निखारने और सॉफ्ट बनाने के लिए भी अच्छा होता है। इन चारों चीजों का कॉम्बिनेशन त्वचा पर नेचुरल तरीके से काम करता है।

गेहूं का आटा

गेहूं का आटा नेचुरल एक्सफोलिएटर की तरह काम करता है। यह स्किन पर जमी डेड स्किन और हल्के बालों को ढीला करता है। जिससे धीरे-धीरे फेशियल हेयर कम नजर आने लगते हैं। इसके अलावा यह स्किन को भी टाइट करता है।

बहुत सारे लोग चेहरे के अनचाहे बालों से परेशान रहते हैं। चेहरे के अनचाहे बालों से निजात पाने के लिए महिलाएं अक्सर थ्रेडिंग या वैक्सिंग कराती हैं। हालांकि भले ही यह तुरंत असर दिखाता है, लेकिन इससे हमारी स्किन धीरे-धीरे डल, रफ और सेंसिटिव बन जाती हैं। ऐसे में अगर आप भी फेशियल हेयर से छुटकारा पाना चाहती हैं और बिना दर्द, बिना केमिकल और बिना ज्यादा खर्च के नेचुरल इलाज पाना चाहती हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसे उबटन के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके इस्तेमाल से आप न सिर्फ फेशियल हेयर से निजात पा सकती हैं, बल्कि आपकी स्किन भी सॉफ्ट, स्मूद और ग्लोइंग नजर आएगी।

घर पर पाएं पार्लर जैसा सुनहरी चमक

हल्दी पाउडर

हल्दी में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। यह बालों की ग्रोथ को धीमा करती है और त्वचा को भी ग्लोइंग बनाती है। अगर आप लंबे समय तक इसका इस्तेमाल करती हैं, तो फेशियल हेयर हल्के और कम हो जाते हैं।

देसी घी

देसी घी स्किन को नमी देने के साथ स्किन को ड्राई होने से भी बचाता है। वहीं रगड़ की वजह से होने वाली रेडनेस या जलन को भी कम करता है। यह त्वचा को हेल्दी और सॉफ्ट बनाता है।

दूध

दूध में लैक्टिक एसिड पाया जाता है, जो त्वचा को एक्सफोलिएट करता है। यह स्किन को सॉफ्ट और ब्राइट बनाता है। वहीं दूध इस पेस्ट को स्मूद टेक्सचर देता है, जिससे इसको लगाना काफी आसान होता है।

बता दें कि इन चारों चीजों को मिलाकर नेचुरल उबटन बनकर तैयार होता है। जो धीरे-धीरे चेहरे के अनचाहे बालों को कम करने के साथ स्किन को सॉफ्ट, ग्लोइंग और साफ बनाता है। हालांकि यह घरेलू नुस्खे फौरन रिजल्ट नहीं दिखाते हैं, लेकिन इनके रेगुलर इस्तेमाल से स्किन सॉफ्ट, क्लीन और हेल्दी नजर आने लगती है। इसके लगातार इस्तेमाल से आपको कुछ ही दिनों में साफ फर्क नजर आने लगेगा।

स्नैक्स के साथ ट्राई करें कैरट-ऑरेंज डिप, स्वाद और सेहत दोनों का ख्याल

अगर आप हेल्दी और टेस्टी स्नैक की तलाश में हैं, तो ऑरेंज-गाजर डिप एक शानदार विकल्प हो सकता है। यह रेसिपी बहुत आसान है और कम सामग्री में तैयार हो जाती है। इसका स्वाद भी बेहद क्रीमी और स्वादिष्ट होता है।

स्नैक्स के साथ ट्राई करें कैरट-ऑरेंज डिप, स्वाद और सेहत दोनों का ख्याल

अगर आप अपने स्नैक्स के साथ कुछ नया और हेल्दी ट्राई करना चाहते हैं, तो ऑरेंज कैरेट डिप एक बेहतरीन ऑप्शन है। यह डिप स्वाद में हल्की मीठी, क्रीमी और बहुत ही स्वादिष्ट होती है। गाजर और संतरे से बनने वाली यह डिप ना सिर्फ टेस्टी होती है बल्कि सेहत के लिए भी काफी अच्छी मानी जाती है। इसमें इस्तेमाल होने वाले काजू इसे क्रीमी और नटी फ्लेवर देते हैं, जिससे इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है। सबसे अच्छी बात यह है कि यह डिप बहुत कम समय में और बहुत ही आसान तरीके से घर पर बनाई जा सकती है। अगर आप कुछ नया और हेल्दी बनाना चाहते हैं, तो ऑरेंज कैरेट डिप जरूर ट्राई कर सकते हैं। यह स्वाद के साथ-साथ सेहत का भी ख्याल रखती है।

ऑरेंज कैरेट डिप के फायदे

गाजर में कई जरूरी पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर के लिए फायदेमंद होते हैं। इसमें विटामिन्, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं।

वहीं, संतरे का जूस विटामिन ष्ट से भरपूर होता है, जो इम्यूनिटी बढ़ाने में मदद करता है।

काजू इस डिप को क्रीमी बनाने के साथ-साथ हेल्दी फैट और प्रोटीन भी देते हैं। इसलिए यह डिप स्वाद के साथ-साथ पोषण भी देती है।

जरूरी सामग्री

इस स्वादिष्ट डिप को बनाने के लिए आपको कुछ आसान चीजों की जरूरत होगी।

2 मीडियम आकार की गाजर (कटे हुए)
1/2 कप संतरे का जूस
8-10 काजू (भिगोए हुए)
1 छोटा चम्मच हल्का तेल
स्वाद अनुसार नमक

बनाने की आसान विधि

सबसे पहले गाजर को अच्छी तरह धोकर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें।

अब एक पैन में थोड़ा सा हल्का तेल डालें और उसमें गाजर के टुकड़ों को हल्का सा सॉटे करें। इससे गाजर थोड़ी नरम हो जाएगी और उसका स्वाद भी बेहतर हो जाएगा।

इसके बाद पैन में संतरे का जूस डालें और गाजर को कुछ मिनट तक पकने दें।

अब इसमें भिगोए हुए काजू डालें। काजू इस डिप को क्रीमी और हल्का नटी स्वाद देंगे।

अब इसमें स्वाद के अनुसार नमक डाल दें और गैस बंद कर दें।

जब यह मिश्रण थोड़ा ठंडा हो जाए, तो इसे मिक्सर में डालकर अच्छी तरह ब्लेंड कर लें।

बस आपका स्वादिष्ट और हेल्दी ऑरेंज कैरेट डिप तैयार है।

कैसे करें सर्व

इस डिप को आप कई तरह के स्नैक्स के साथ खा सकते हैं।

ब्रेड या टोस्ट के साथ
वेज स्टिक्स के साथ
सैंडविच में स्प्रेड की तरह
चिप्स या क्रैकर्स के साथ

यह डिप बच्चों और बड़ों दोनों को बहुत पसंद आती है।

उबले आलू से सिर्फ 10 मिनट में बनाएं टेस्टी और यूनिक नाश्ता

आलू एक ऐसी सब्जी है जो बच्चों से ले कर बड़ों तक सभी को पसंद होती है। खासतौर से आलू से बने स्नैक्स तो इतने टेस्टी होते हैं कि शाम की चाय के साथ मजा आ जाता है। वैसे तो आलू से बने कई स्नैक्स आपने ट्राई किए होंगे लेकिन सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा ये स्नैक शायद ही कभी खाया हो। इसकी रेसिपी एकदम सिंपल है लेकिन खाने में ये लाजवाब लगता है। शाम की चाय के साथ कुछ टेस्टी सा खाने का मन हो या मेहमानों के लिए यूनिक कुछ बनाना हो, ये रेसिपी एकदम परफेक्ट है। इसकी एक खासियत ये भी है कि बहुत ही कम सामग्री में स्वादिष्ट स्नैक रेडी हो जाता है, जिसे बच्चे बड़े सभी चाव से खाते हैं। अगर आप भी आलू से बनने वाला कोई सिंपल और यूनिक स्नैक खोज रही हैं तो ये रेसिपी आपको जरूर ट्राई करनी चाहिए।

आलू का यूनिक स्नैक बनाने के लिए सामग्री

आलू से बने इस टेस्टी और यूनिक स्नैक को बनाने के लिए आपको जिन सामग्रियों की जरूरत होगी वो हैं- आलू (आधा किलो), चिली फ्लेक्स (1 चम्मच), ऑरिगेनो (1 चम्मच), धनिया पत्ता (1 चम्मच), कॉर्न स्टार्च (2 चम्मच), नमक (स्वादानुसार) और तलने के लिए तेल।

आलू से बनाएं स्वादिष्ट नाश्ता, देखें यूनिक रेसिपी

घर में कुछ आलू रखे हैं तो उनमें बस थोड़ी सी चीजें एड कर के आप बहुत ही स्वादिष्ट सा स्नैक तैयार कर सकती हैं। शाम की चाय हो या घर पर मेहमान आए हों, ये परफेक्ट स्नैक ऑप्शन है। इसे बनाना भी आसान है। सबसे पहले तो आलू को धो पर बीच में से दो हिस्सों में काट लें। अब एक पैन में पानी गर्म करें और उसमें थोड़ा सा नमक एड करें। फिर इस पानी में आलू उबलने के लिए डालें। आलू तब तक उबालें, जब तक ये अच्छे से सॉफ्ट ना हो जाएं। फिर आलू ठंडे हो जाएं तो इनका छिलका निकाल दें।

अब आलू को अच्छे से मैश कर दें, इनमें कोई भी गुठलियां नहीं रहनी चाहिए। बाइंडिंग के लिए इसमें कॉर्न स्टार्च मिलाएं। अब फ्लेवर और टेस्ट के लिए आप इसमें कुछ चीजें एड कर सकती हैं, जैसे- ऑरिगेनो, चिली फ्लेक्स, कटा हुआ हरा धनिया, स्वादानुसार नमक। तीखा पसंद है तो लाल मिर्च पाउडर भी मिला सकती हैं। अब सभी चीजों को अच्छी तरह आपस में मिक्स करें। इससे आलू आपस में इकट्ठा हो जाएगा।

अब फ्रिज की ट्रे रगड़ना छोड़ें

ये असरदार सफाई टिप्स बिना मेहनत चमका देंगे

फ्रिज की ट्रे में जमी गंदगी और बदबू से परेशान हैं जानिए कैसे बेकिंग सोडा, सिरका और गुनगुने पानी जैसी 3 आसान चीजों से बिना रगड़े ट्रे को मिनटों में चमका सकते हैं। ये घरेलू उपाय जिद्दी दाग और चिपचिपाहट हटाने में भी कारगर हैं।

आजकल सभी के घरों में फ्रिज जरुर होगा। फ्रिज होने से हमारा बचा हुआ खाना, फ्रोजन आइटम्स और दूध रखा जाता है, जिससे कई सारे काम आसान भी हो गए है। फ्रिज का यूज हम सभी करते हैं लेकिन इसकी साफ-सफाई के मामले में आलास करते हैं। हमेशा ट्रे की सफाई करना भूल ही जाते हैं। अक्सर फ्रिज की ट्रे में दाग-धब्बे और जमी हुई गंदगी रह ही जाती है, जिससे बदबू आना स्वाभाविक है।

कई लोग ट्रे साफ करते समय उसे जोर-जोर से रगड़ते हैं, लेकिन क्या आप जानती हैं कि बिना ज्यादा मेहनत किए भी इसे साफ किया जा सकता है हम आपको कुछ सरल और असरदार तरीके बता रहे हैं, जिनकी मदद से आप फ्रिज की ट्रे को आसानी से चमका सकती हैं। आइए जानते हैं इन आसान उपायों के बारे में।

गुनगुने पानी और लिक्विड साबुन से साफ करें - फ्रिज की ट्रे को साफ करने का सबसे आसान तरीका है कि पानी को पहले गुनगुना कर लें। अब इसमें लिक्विड डिशवॉश मिलाएं। फिर इस पानी में ट्रे रख दें और ट्रे को कुछ समय के लिए इसी में भिगो दें। इसके बाद किसी स्पंज से ट्रे को साफ कर लें। इसमें आपको रगड़ने की जरुर नहीं पड़ेगी।

बेकिंग सोडा से बदबू को दूर करें - बेकिंग सोडा का इस्तेमाल बदबू दूर करने के लिए किया जाता है। यदि आपकी फ्रिज ट्रे में तेज बदबू आ रही है या दाग जिद्दी हो गए हैं, तो आप बेकिंग सोडा का यूज करें। एक टब में एक लीटर पानी लें और कम से कम इसमें तीन से चार चम्मच बेकिंग सोडा मिला लें। फिर ट्रे को इसमें कुछ देर के लिए भिगो दें।

सिरका भी करेगा काम -यदि आपको फ्रिज की ट्रे पर चिपचिपाहट ज्यादा दिख रही है, तो आप हाइट वनिगर का यूज कर सकते हैं। इसके लिए आपको पानी में थोड़ा सिरका मिलाना है। अब कपड़े को गीला करके ये ट्रे पोछ दें। इससे चिपचिपाहट भी कम होती है और बदबू भी कम होती है।

इन बातों का रखें ध्यान

- ट्रे की सफाई करने के बाद इसे अच्छे से सुखाना भी है।
- ट्रे की सफाई से पहले फ्रिज को जरुर बंद कर दें।
- फ्रिज में खराब या एक्सपायर सामान को हटा दें।
- हमेशा खाने की चीजों को ढककर रखें।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना ने किया चौक का नामकरण : भक्त माता कर्मा चौक

अहिवारा (समय दर्श)। सर्व छत्तीसगढ़िया समाज और छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना ने अपने पुरखों का सम्मान करते हुए भक्त माता कर्मा जयंती के विशेष अवसर पर अहिवारा से रायपुर जानें वाले रोड पर बायपास चौक को भक्त माता कर्मा चौक के नाम से नामकरण किया और माता कर्मा के जीवन के संघर्ष और त्याग को याद करते हुए उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया 7 जिला उपाध्यक्ष कौशल साहू और नगर अध्यक्ष राहुल साहू ने बताया कि माता कर्मा ने अपने हाथो से भगवान जगन्नाथ को खिचड़ी खिलाया था 7 ये भगवान और भक्त के प्रेम भाव को दर्शाता है 7 इस मौके पर जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के जिला पदाधिकारी कौशल साहू, धर्मेन्द्र साहू, आशुतोष साहू के निर्देश में नगर पदाधिकारी राहुल साहू(नगर अध्यक्ष सीकेएस), भीखाम साहू जी, कैलाश जी, कमलेश मारकंडे जी, संतोष साहू जी, महेंद्र ध्रुव जी, छोटू यादव, के उपस्थिति में संपन्न हुआ।

मुंगेली की प्रिया यादव को दिव्यांग बच्चों के लिए समर्पित सेवा पर दो प्रतिष्ठित महिला सम्मान

लावण्या फाउंडेशन और नव सृजन मंच ने छत्तीसगढ़ महतारी अलंकरण और वुमनिया अवार्ड से नवाजा

मुंगेली(समय दर्शन) अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के अवसर पर छत्तीसगढ़ में महिलाओं की सामाजिक और शैक्षिक उपलब्धियों को सम्मानित किया गया। प्रिया यादव, बीआरपी, विकासखंड पथरिया, जिला मुंगेली को दिव्यांग बच्चों के क्षेत्र में 19 वर्षों से उत्कृष्ट कार्य के लिए लावण्या फाउंडेशन, रायपुर द्वारा वुमनिया अवार्ड से सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जयसवाल और विधायक पुरंदर मिश्रा ने उन्हें सम्मानित किया।इसी तरह, 15 मार्च को नव सृजन मंच मां छत्तीसगढ़ ने प्रिया यादव को छत्तीसगढ़ महतारी अलंकरण से सम्मानित किया। समारोह में एडिशनल एसपी सुरेश चौबे, एडिशनल एसपी अर्चना झा,श्रीमती मिलना कुर्रे, एम्स प्रधानाध्यापक डॉक्टर जया रेका, एवं नव सृजन मंच के अध्यक्ष अमरजीत छावड़ा और संयोजक पदमा शर्मा उपस्थित रहे। सम्मान स्वरूप प्रिया यादव और अन्य महिला कार्यकर्ताओं को मोमेंटो, प्रमाण पत्र और पारंपरिक छत्तीसगढ़ी आभूषण प्रदान किए गए। यह सम्मान उनके सामाजिक समर्पण और महिला सशक्तिकरण में योगदान की मान्यता है।

निधन : कुशोराम कटकवार

बिर्रा- ग्राम सिलादेही के प्रतिष्ठित नागरिक श्री कुशो राम कटकवार का 60 वर्ष की आयु में 11 मार्च को निधन हो गया। उनके निधन से ग्राम में शोक की लहर व्याप्त है। स्वर्गीय कटकवार का अंतिम संस्कार हसदेव नदी तट पर किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं परिचितजन शामिल हुए। वे अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। स्वर्गीय कुशो राम कटकवार पंच प्रतिनिधि राजू कटकवार के पिता जी थे।

निधन : भैय्याराम साहू

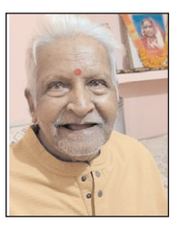

दुर्ग । कसारीडीह आजाद चौक निवासी बीएसपी के सेवानिवृत्त कर्मचारी भैय्याराम साहू 90वर्ष का गुरुवार को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार बोरसी बेथनी कॉलेज के पीछे स्थित मुक्तिधाम में किया गया। वे चेतनलाल साहू, तामेश्वर साहू, सुरेश साहू व दीपक साहू के पिताजी थे। स्व. भैय्याराम साहू के अंतिम संस्कार कार्यक्रम में गणमान्य नागरिकों ने शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

भक्त माता कर्मा साहू समाज की हैं कुलदेवी - राजकुमार साहू

ग्राम बर्रा में मनाया गया मां कर्मा की जयंती समारोह

जांजगीर-चाम्पा।// समय दर्शन //साहू समाज द्वारा संत शिरोमणि भक्त मां कर्मा जयंती का आयोजन ग्राम बर्रा में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत जांजगीर-चाम्पा के सभापति एवं भाजपा पि.वर्ग मोर्चा जिला उपाध्यक्ष एवं समाज के संयोजक प्रदेश साहू संघ व्यापार प्रकोष्ट राजकुमार साहू उपस्थित थे, वही कार्यक्रम की अध्यक्षता दशरथ साहू अध्यक्ष साहू संघ परिक्षेत्र किरीत कर रहे थे। वहीं प्रमुख अतिथि के रूप में नेहा-रामचरण साहू जि.पं. सदस्य एवं पूर्व तह अध्यक्ष साहू संघ नवागढ़, नरेन्द्र कौशिक भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष जांजगीर-चाम्पा, सुभद्रा संतोष साहू उपाध्यक्ष जिला साहू संघ जांजगीर-चाम्पा मौजूद थे। साथ ही कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सुमन कुमार बंजारे सरपंच ग्राम पंचायत भठली मंचस्थ थे। कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित अतिथियों द्वारा भक्त माता कर्मा के तैलचित्र पर पूजा-अर्चना कर किया गया। तत्पश्चात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत जांजगीर-चाम्पा के सभापति राजकुमार साहू ने उपस्थित समाज के लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आराध्य देवी माता कर्मा हमारे साहू समाज की कुलदेवी और आराध्य है।उन्होंने माता के बारे में अवगत कराते हुए कहा कि 17 वीं शताब्दी की एक महान कृष्ण भक्त थीं। उनका जन्म राजस्थान के नागौर जिले के कालवा गांव में हुआ था।उनकी भक्ति इतनी निश्छल और गहरी थी कि स्वयं भगवान श्रीकृष्ण (जगन्नाथ स्वामी) उनके हाथों से बनी खिचड़ी खाने आए थे। यह घटना आज भी उनकी अटूट श्रद्धा के प्रतीक के रूप में याद की जाती है इस अवसर जीवन लाल साहू , पदम साहू , मनी राम साहू , रागिनी साहू ,राजेंद्र कश्यप एवं समस्त ग्रामवासी बर्रा उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने हनुमान धारा एवं भारतीय हाथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान चांपा का निरीक्षण किया

हनुमान धारा में साफसफाई एवं प्रस्तावित निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरा करने कड़े निर्देश दिए

निर्माण कार्यों को तय समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ करें पूर्ण - कलेक्टर

जांजगीर-// समय दर्शन //कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने आज चांपा के हनुमान धारा एवं भारतीय हाथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने हनुमान धारा में साफ-सफाई पर नाराजगी व्यक्त किया एवं नियमित साफ-सफाई करने के निर्देश दिए तथा प्रस्तावित निर्माण कार्यों को शीघ्र प्रारंभ करने के कड़े निर्देश अधिकारियों एवं ठेकेदार को दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए चांपा क्षेत्र में पेयजल समस्या के स्थायी समाधान हेतु कुदरी बैराज से जलापूर्ति प्रोजेक्ट तैयार कर शासन को प्रेषित करने कहा। उन्होंने इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने रामबांधा तालाब की साफ-सफई, जलकुंभी हटाने एवं आसपास के क्षेत्र के समग्र विकास के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कलेक्टर ने चांपा नगर में स्वच्छता अभियान चलाने, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था को प्रभावी बनाने तथा नागरिकों की सहभागिता बढ़ाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने भारतीय हाथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान चांपा में निर्माणाधीन कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर नगर पालिका चांपा अध्यक्ष श्री प्रदीप नामदेव, जनप्रतिनिधि, संबंधित अधिकारी - कर्मचारी उपस्थित थे।

हिंदू नववर्ष पर बिर्रा में निकलेगी भव्य शोभायात्रा

बिर्रा // समय दर्शन //- हिंदू नववर्ष के पावन अवसर पर ग्राम बिर्रा में सर्व हिंदू समाज द्वारा भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है और सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है आयोजन समिति के अनुसार प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी हिंदू नववर्ष के उपलक्ष्य में प्रभु श्रीराम की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा 20 मार्च 2026, शुक्रवार को दोपहर 3 बजे से प्रारंभ होगी। शोभायात्रा का प्रारंभ श्री राम मंदिर, दीवान मोहल्ला बिर्रा से किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। समिति ने सभी श्रद्धालुओं एवं सनातन धर्म प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर शोभायात्रा को भव्य बनाने की अपील की है। आयोजन समिति का कहना है कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य हिंदू नववर्ष का स्वागत करते हुए समाज में धार्मिक और सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा देना है।कार्यक्रम को लेकर ग्राम में तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं और विभिन्न स्थानों पर स्वागत व सजावट की व्यवस्था की जा रही है।

शाला परिवार गौरमाटी ने की छन्नूलाल साहू का सम्मान

थानखम्हरिया समीपस्थ शासकीय हाई स्कूल गौरमाटी के गरिमामयी समारोह में एक सभा आयोजित हुई। गरिमामय समारोह में स्थानीय प्रतिष्ठित समाजसेवी और उदार दानदाता उप-सरपंच छन्नूलाल साहू को उनके नि:स्वार्थ योगदान और शिक्षा के प्रति समर्पण

के लिए श्रीफल एवं शाल भेंट कर सम्मानित किया गया। छन्नूलाल साहू ने हाल ही में शासकीय हाई स्कूल गौरमाटी के मुख्य प्रवेश द्वार का दान दिया।यह दान संस्था की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण एवं मील का पत्थर साबित होगा। समारोह को संबोधित करते हुए संस्था के प्राचार्य कृष्ण कुमार वर्मा ने कहा दानवीर कर्ण की परम्परा का निर्वहन करते हुए छन्नूलाल साहू जैसे लोग समाज के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं,उनका योगदान न केवल वर्तमान जरूरतो को पूरा करता है, बल्कि एक बेहतर भविष्य की नींव भी रखता है। सम्मान स्वीकार करते हुए छन्नूलाल साहू ने कहा ईश्वर द्वारा दी गई संपत्ति का सही उपयोग जरूरत मंदों की सेवा में ही है। मुझे खुशी है कि मैं हाई स्कूल गौरमाटी के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग दे सका। कार्यक्रम में जनपद सदस्य कुलदीप मार्कण्डेय,शाला प्रबन्धन एवं विकास समिति के अध्यक्ष टहल राम साहू, कमलेश मानिकपुरी, व्याख्याता सरोज बाला बनाफर,एस कुमार मिर्चे, कीर्तन शुक्ला, जयप्रकाश साहू, दिनेश सोनी,मनीष वर्मा, अंकित साहू पालक गण एवं विद्यालय के सभी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे, कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। जिसमें दानदाता के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

सेवा को मिला सम्मान शहीद भगत सिंह सम्मान से हुए सम्मानित महेश कुमार राठौर

जांजगीर //समय दर्शन // गरीब वर्ग के सिकलिंग,थैलीसिमिया व जरूरतमंद मरीजो को समय में निरंतर रक्त उपलब्ध कराने एवं जीते जीते जी रक्तदान, जाते जाते नेत्र व देहदान के विगत 9 वर्षो से कार्यरत रक्तदाता क्रांति समूह की स्थापना कर निरंतर से सेवा कार्य में समर्पित महेश कुमार राठौर व त्रिलोकी साहू को शहीद भगत सिंह यूथ ब्रिगेड गयाजी के द्वारा 15 मार्च को आयोजित राष्ट्रीय रक्तदाता अधिवेशन में भारत के सच्चे पुत्र देशभक्त चंद्रशेखर आजाद के भतीजे श्री अमित आजाद, अरुण शुक्ल, फौजी महेश जी के द्वारा शहीद भगत सिंह सम्मान से सम्मानित किया गया

महेश कुमार राठौर ने बताया की अमित आजाद के द्वारा अधिवेशन में भारत के अलग अलग राज्यों से पहुचे रक्तदाता एवं समाजसेवी संठगन को संबोधित करते हुएउन्होंने कहा कि हमारे देश को आजाद करने के लिए कितने देशभक्तों ने अपनों प्राण कों आहुति दी, वो सच्चे देशभक्त है और आप लोग जरुरतमंद मरीजो के लिए रक्तदान कर उनकी जान बचा रहे है यह भी एक सच्ची देशभक्ति है, आप लोग अपने शरीर के रक्त को निकलवाकर किसी के प्राण रक्षा में कार्य कर रहे है ये कोई छोटी मोटी देशभक्ति नहीं है यही तो सच्ची देशभक्ति है आगे उन्होंने कहा की हमारा मुख्य उद्देश्य हर घर में एक रक्तदानी तैयार कर रक्तदान की संस्कृति को मजबूत करना है

शहीद भगत सिंह सम्मान प्राप्त करने लिए अशोक तिवारी, चन्द्रकुमार राठौर, रिंकू अग्रवाल, मयंक शुक्ला, प्रफुल्ल पाण्डेय, नीलमणी गुरुदिवान, दीपक यादव, जितेन्द्र देवांगन, मनीष राठौर, सीमा राठौर, ज्योति श्रीवास, अमर महंत, लोमश बरेठ, नरेद्र साहू, स्पेंद्र मिरी, खुशवंत खांडे, अरविन्द कुमार सारथी, भुनेश्वर पटेल, संतोष साहू, रामनाथ साहू आदि ने हर्ष व्यक्त किया है।

माता कर्मा ने भक्ति,त्याग,समर्पण से श्री कृष्ण को प्राप्त की...अशोक साहू

पाटन (समय दर्शन)। स्थानीय साहू समाज तेलीगुंडरा के तत्वाधान में संत माता कर्मा की 1010 वीं जयंती समारोह आयोजित किया गया।जिसमें मुख्य अतिथि अशोक साहू(पूर्व उपाध्यक्ष, जिला पंचायत दुर्ग)थे, अध्यक्षता दिनेश साहू (कार्यकारी अध्यक्ष, तह.साहू संघ पाटन)ने की,विशेष अतिथि कीर्ति नायक अध्यक्ष जप पाटन,दिनेश कुमार साहू(पूर्व अध्यक्ष, तह.साहू संघ पाटन), दिलीप साहू (कोषाध्यक्ष, जिला साहू संघ दुर्ग), चंद्रिका साहू सदस्य प्रदेश साहू संघ, सरपंच तरीघाट, गरीब दास साहू (कोषाध्यक्ष,परि.साहू संघ), कामता साहू जी (उपाध्यक्ष,परि.साहू संघ), श्यामलाल साहू (सचिव,परि. साहू संघ) ने श्री कृष्ण एवं संत माता कर्मा की पूजा अर्चना कर समाज एवं ग्रामवासियों की सुख, समृद्धि, खुशहाली, शांति की मंगलकामना किए।

मुख्य अतिथि पूर्व जिप उपाध्यक्ष अशोक साहू ने माता कर्मा ने सच्ची श्रद्धा,भक्ति,त्याग, समर्पण से भगवान श्री कृष्ण को प्राप्त की,आज समाज को इसी भावना से ओतप्रोत रहने की आवश्यकता है।पद आती जाती रहती है लेकिन जिसने भी समर्पण के साथ समाज की सेवा की उन्हें जीवन पर्यंत सम्मान मिलता है।

कार्यकारी अध्यक्ष दिनेश साहू ने वर्तमान में शिक्षा के साथ संस्कार की आवश्यकता बतलाए।

जनपद अध्यक्ष कीर्ति नायक ने साहू समाज पूरे छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा संगठित समाज है,समाज में पूरी निष्ठा,ईमानदारी से सेवा में अपनी अलग पहचान बनाई है,जिसे सभी समाज अनुकरण करने बाध्य हो रहे है।

इस अवसर पर चित्रसेन साहू,रेखराम साहू,रेखराज साहू,चंद्रशेखर साहू,किशन साहू, रूपा साहू,गायत्री साहू, प्रेमलाल साहू, भूषण लाल साहू,भोजेन्द्र साहू, पोषण साहू,संजय साहू, राजाराम साहू,रामसाय साहू, गजानंद साहू, नोहर साहू,हीरा लाल साहू, प्रकाश साहू, केजू राम साहू, विष्णु साहू,रामदयाल साहू, सुखचैन साहू, धनेश्वर साहू,नरेन्द्र साहू, राजेन्द्र साहू, दादूराम साहू,सुरेश कुमार साहू,अर्जुन साहू,नारायणी साहू,सुनीता साहू,सोहदा साहू,मन्जू साहू,जानकी साहू,बबीता साहू,डलेश्वरी,सुरजौतिन साहू,राज बाई साहू ,मन्नू साहू आदि उपस्थित थे।

करोड़ों का नोटिस होने के बाद क्यों थम गया ई-नीलामी का पहिया...

बिलासपुर (समय दर्शन)। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक बड़े ऋणी से निभाते हैं निजी संबंध पंजाब नेशनल बैंक से नजूल सीट नंबर 14 मिशन रोड, इंडियन पब्लिक स्कूल के पीछे आजाद नगर वार्ड नंबर 18 के एक नजूल लीज भूखंड 45000 स्क्वायर फीट पर ऋण राशि लगभग 21 करोड़ की ई- नीलामी 6 मार्च को घोषित थी पर बैंक के अनुसार यह नीलामी रोक दी गई। ऋण डिफाल्टर इस राशि पर सेटलमेंट कर रहे हैं। आम सूचना में उपलब्ध बैंक अधिकारी का नाम दुर्गावती कुमारी के नंबर पर बात करने पर उन्होंने यह जानकारी दी सेटलमेंट राशि कितनी है का उन्होंने जवाब दिया वह बैंक और ऋणी के बीच निजी संबंध है। नहीं बता सकते बैंक सार्वजनिक क्षेत्र का, पैसा आम नागरिकों का और लोन की राशि बैंक और ऋणी के बीच निजी संबंध, उक्त भूखंड नजूल का है और यह फ्री होल्ड नहीं है। ऐसे में लोन के पूर्व नजूल की सहमति आवश्यक है।

गाधा वार्ड न 20,रायपुर म क्षेत्रफल-313 वर्गफीट पर स्थित संपत्ति। मालिकाना हकः दीपक कुमार कांडया. सामाए :- उत्तर - आफिस न 105, दक्षिण- आफिस न 103, पूर्व-खुली भूमि, पश्चिम- पैसेज . भौगोलिक निर्देशांक - 21.253009, 81.630880 | रू 2.54 लाख

संख्या क्रमांक 18 के लिए: ई-नीलामी तिथि- 06/03/2026 एवं समय- सुबह 11.00 बजे से शाम 4.00 बजे तक

18	उधारकर्ता – मेसर्स बजरंग प्रसाद अग्रवाल, प्रो. – श्री बजरंग प्रसाद अग्रवाल, जमानतदार – श्री पंकज कुमार अग्रवाल, शाखा – जयस्तंभ चौक, रायपुर, 039900, संपर्क: वसूली अधिकारी- श्रीमती दुर्गावती कुमारी, 7632986606	नजूल लीज होल्ड आवासीय मकान, प्लॉट नंबर 20/2, शीट नंबर 14, मौजा – चाटापारा, ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल के पीछे, मिशन अस्पताल रोड, आजाद नगर वार्ड नंबर 18, बिलासपुर (छ.ग.) में क्षेत्रफल – 45000 वर्गफुट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक – श्री बजरंग प्रसाद अग्रवाल।	1) 10.01.2024 2) रू 7,20,77,614.73 + दिनांक 31.12.2023 से ब्याज प्रभावी 3) 28.03.25 को सांकेतिक कब्जा	रू 21.13 करोड़ / रू 2.113 करोड़

अधिक विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें : श्री कलिन्द्र साहू- 9412956480, श्री संजय कुमार बिस्वाल- 9437666379 - एआरएमबी, रायपुर, दूरभाष क्र.- 0771-2210433/35

नोट:- 1) कृपया अमानत राशि जमा करने से पूर्व प्रॉपर्टी से जुड़े सभी दस्तावेजों की पड़ताल सुनिश्चित करें

इस संदर्भ में जब नजूल शाखा से जानकारी ली गई तो उन्होंने खसरा संधारण का सीधा कोई जवाब नहीं दिया और बात को घुमाया।

बिलासपुर जिले में बैंकों के लंबे चौड़े लोन बैंक डिफाल्टर के कुछ चर्चित मामले हैं जो बैंक और ऋणी के बीच आओ खेले मिलकर लोन लोन पर टाई हो जाते हैं। बैंक दी गई ऋण राशि से कम पर मान जाते हैं और सेठ ऋण राशि से पूंजी निर्माण करते हैं। पहला उदाहरण छत्तीसगढ़ मॉल उसलापुर साल 2017 का मामला है बैंक वो इसे डिफाल्टर घोषित किया। मॉल पर दो बैंकों का लोगों ने था जो लगभग 113 करोड़ था। भौतिक कब्जा अखबारों में बड़े कार्यवाही के दावों के बाद मामला गायब हो गया। रिकवरी के बड़े एजेंट बताते हैं कि यह पूरा मामला मूल्य राशि से कम में सेटल हुआ।

दूसरा मामला राशि स्टील भनेश्वर का है यहां पर भी बड़ी लोन राशि थी अखबारों की सुर्खी तो नहीं बनी पर यह मामला न्यायालय तक गया वाद में उल्लेखित राशि 146679953.83 है। इस प्लांट का ना केवल बोर्ड आफ डायरेक्टर बदला और ऋण पर भी सेटलमेंट हुआ है। और वसूली के लिए घोषित राशि से सेटलमेंट अमाउंट बहुत नीचे है।

बिलासपुर का तीसरा बैंक लोन ठगी का मामला विश्वजीत भौमिक, सत्यजीत भौमिक का है यहां तो लोन की राशि 800 करोड़ से ऊपर बताई जाती है। कुल मिलाकर आम ईमानदार ऋणी साधारण खातेदार अपनी पाई-पाई के हिसाब में परेशान है। न्यूनतम जमा राशि से नीचे जाते हैं खाते पर सरचार्ज लग जाता है। तीन किस्त जमा न करने पर सरफैसी एक्ट लग जाता है और वन टाइम सेटलमेंट करने पर भी कुछ ?100 की भी मरौअत नहीं मिलती है। उल्टे करोड़ के कर्जदार के साथ बैंक निजी संबंध बनाते हैं और उन्हें प्रोटेक्शन देते हैं।

खबर-खास

जल संसाधन संभागीय कार्यालय नए भवन में प्रवेश, सहायक अभियंता शेषनारायण सोनवानी को दी गई बिदाई

गरियाबंद। जिले में जल संसाधन विभाग के लिए आज का दिन दोहरे उत्सव के रूप में रहा, जहां एक ओर विभाग के नए संभागीय कार्यालय भवन में विधिवत प्रवेश किया गया, वहीं दूसरी ओर देवभोग अनुभाग के पूर्व सहायक अभियंता शेषनारायण सोनवानी को सेवानिवृत्ति पर भावपूर्ण विदाई दी गई। जिला मुख्यालय में लंबे समय से जल संसाधन विभाग का संभागीय एवं अनुविभागीय कार्यालय जर्जर भवनों में संचालित हो रहा था। कार्यपालन अभियंता सिद्ध कुमार बर्मन के विशेष प्रयासों से यह सपना साकार हुआ और अब ये कार्यालय नवनिर्मित भवन में स्थानांतरित हो गए हैं। नए भवन में प्रवेश से पूर्व हवन-पूजन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभाग के सभी कर्मचारियों में भारी उत्साह देखा गया और नए कार्यालय परिसर को लेकर सभी ने खुशी जाहिर की। इसी कार्यक्रम के दौरान देवभोग अनुभाग के पूर्व सहायक अभियंता शेषनारायण सोनवानी को उनकी सेवा समाप्ति पर भव्य बिदाई दी गई। विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनके लंबे एवं उत्कृष्ट सेवा काल को याद करते हुए उन्हें बिदाई दी। कार्यपालन अभियंता सिद्ध कुमार बर्मन सहित सभी अधिकारियों ने सोनवानी के कार्यकाल की मुक्तकंठ से प्रशंसा की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर शेषनारायण सोनवानी एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती उमाकांता सोनवानी का अभिनंदन किया गया। विभाग के सभी कर्मचारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर रामेश्वर प्रसाद साहू, राहुल साहू, मनोज टांडिल, लीलेश, ईश्वर लाल ध्रुव, रोहित कुमार तिवारी, मदन लाल ध्रुव, महेश पंडोरिया, युवराम सिन्हा, छोटेलाल ध्रुव, पवन कुमार ठाकुर, भुवन लाल श्रीवास, कुलेश्वर सिन्हा, मनीष कुमार देवांगन, तीरथ राम देवदास, संजीव नाग, पुनीत राम श्रीमोर, विकास साहू, राजेश्वर डहरिया, वेदिका शांडिल्य, गुलशन मोगरे, नितेश तिवारी, माहेश्वरी दीवान, मोतीराम नेताम, सावित्री विश्वकर्मा और दुर्गेश सोनकर सहित बड़ी संख्या में विभागीय कर्मचारी उपस्थित थे।

कलेक्टर जनमेजय मोहबे पहुंचे ऑपरेशन सोनचिरैया के स्वच्छता अभियान में, बढ़ाया युवाओं का उत्साह

जांजगीर //समय दर्शन //ऑपरेशन सोनचिरैया के अंतर्गत पावन पर्व नवरात्रि के शुभ अवसर पर आज 19 मार्च 2026, गुरुवार को जांजगीर के मां मनकादाई मंदिर, खोंखरा परिसर में एक भव्य स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस विशेष अभियान में जिला कलेक्टर श्री जनमेजय मोहबे एवं जिला भाजपा उपाध्यक्ष श्री अमर सुल्तानिया की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने स्वयं उपस्थित होकर टीम का उत्साहवर्धन किया। इस अभियान में एन.सी.सी. फर्स्ट ऑफिसर श्री दिनेश चतुर्वेदी एवं ऑपरेशन सोनचिरैया के सदस्य पार्थ तिवारी की उपस्थिति में यह अभियान पार्थ तिवारी एवं एन.सी.सी. फर्स्ट ऑफिसर श्री दिनेश चतुर्वेदी के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। ऑपरेशन सोनचिरैया की टीम से पार्थ तिवारी, अनीश रत्नाकर, किशोर कुमार खुटे, विक्रम आदित्य सिंह, ओम सिंह, सह सचिव जिला अधिवक्ता संघ शिवनारायण यादव, गौरव कटाकवार एवं संजू रात्रे ने मिलकर मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई की। यह ऑपरेशन सोनचिरैया द्वारा आयोजित आठवां स्वच्छता अभियान था। इससे पूर्व टीम द्वारा जांजगीर में छह सफल अभियान एवं कुलीपोटा में एक स्वच्छता अभियान सफलतापूर्वक संपन्न किया जा चुका है। वहीं एन.सी.सी. कैडेट्स – समीर कश्यप, जीतू श्रीवास, आर्यन वैष्णव, मुकेश सूर्यवंशी, देव यादव, वैभव बारेठ, लक्षित विजय, कृष्णा यादव, मयंक सूर्यवंशी, सृजन साहू, नेहर ठवैत, अंकित साहू एवं निखिल श्रीवास – ने भी सक्रिय भागीदारी निभाते हुए स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया और समाज में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने का संदेश दिया। यह अभियान न केवल सफाई तक सीमित रहा, बल्कि लोगों को अपने आस-पास स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित भी किया। ऑपरेशन सोनचिरैया द्वारा आयोजित यह स्वच्छता अभियान समाज में सकारात्मक बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है।

गरियाबंद में वन्यप्राणी शिकारियों पर बड़ी कार्रवाई : 10 आरोपी गिरफ्तार, हथियार और मांस बरामद

गरियाबंद। उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व क्षेत्र में वन विभाग की एंटी पोचिंग टीम ने वन्यजीवों के अवैध शिकार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह कार्रवाई इंदागांव (धुरवागुड़ी) बफर क्षेत्र के अंतर्गत पीपलखूंटा 'ब' बीट, आरक्षित वन कक्ष क्रमांक 1204 में की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपियों ने 10 मार्च 2026 की मध्य रात्रि को गोडेना कछार जंगल में अवैध रूप से प्रवेश कर वन्यप्राणी कोटरी और उड़न गिलहरी का तीर-धनुष एवं गुलेल से शिकार किया था। मामले में पहले 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था, जबकि अन्य 5 आरोपी फरार थे। वन विभाग को 17 मार्च को मिली गुप्त सूचना के आधार पर एंटी पोचिंग टीम ने शेष पांचों आरोपियों को गरियाबंद क्षेत्र से हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान सभी आरोपियों ने अपराध स्वीकार कर लिया। आरोपी प्रभुलाल के घर से कोटरी का लगभग 100 ग्राम मांस भी बरामद किया गया।

जांच के दौरान एक आरोपी हिरासिंग (निवासी अछला, थाना रायघर, जिला नवरंगपुर, उड़ीसा) से पूछताछ में उसके चाचा के घर से एक भरमार बंदूक भी सर्च वारंट के जरिए जब्त की गई। पूरा मामला परिसररक्षी रामकृष्ण साहू द्वारा पी.ओ.आर. प्रकरण क्रमांक 16/392 दिनांक 13.03.2026 के तहत दर्ज किया गया। आरोपियों के विरुद्ध वन्यप्राणी (संरक्षण) अधिनियम 1972 की विभिन्न धाराओं—9, 27, 29, 31, 39(1)(द), 50, 50(स), 51 एवं 52 के तहत कार्रवाई की गई।

सभी आरोपियों को 18 मार्च 2026 को न्यायालय प्रथम श्रेणी देवभोग में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें 10 दिनों की न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल गरियाबंद भेज दिया गया।

इस पूरे अभियान में वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की अहम भूमिका रही। इंदागांव (धुरवागुड़ी) बफर, दक्षिण उदंती परिक्षेत्र एवं उड़ीसा प्रांत के वन कर्मचारियों के संयुक्त प्रयास से यह सफलता हासिल हुई।

चैत्र नवरात्र आरंभ : शिव दुर्गा मंदिर में घट स्थापना, अखंड ज्योत प्रज्वलित

गरियाबंद। चैत्र नवरात्र के पावन पर्व पर गरियाबंद के मेन रोड स्थित शिव दुर्गा मंदिर शीतला मंदिर में भक्तों ने विधिवत घट स्थापना कर माँ दुर्गा की भक्ति में लीन होकर पूजा अर्चना की।मंदिर प्रांगण में पूरे विधिविधान के साथ अखंड ज्योत प्रज्वलित की गई,जो नौ दिनों तक जलती रहेगी।इस अवसर पर भव्य भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया,जिसमें श्रद्धालुओं ने माता के भजनों का गायन कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

भक्तों ने की माँ दुर्गा की आराधना,,,,,,,, पूजन अर्चना के दौरान श्रद्धालुओं ने माँ दुर्गा और नगर की शीतला माता से सुख-समृद्धि,शांति और आरोग्यता की कामना की।मंदिर परिसर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी,जिन्होंने दर्शन कर माँ के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित किए। पूजा के बाद मंदिर समिति द्वारा प्रसाद वितरण भी किया गया।इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

ज्ञात हो कि अखंड ज्योत प्रज्वलित करना, विशेषकर नवरात्रि के दौरान,देवी मां की कृपा और शक्ति के प्रतीक के रूप में माना जाता है, जो घर में सकारात्मकता और शांति लाता हैं। इस अवसर पर भक्तों ने कहा, चैत्र नवरात्र शक्ति,साधना और आत्मशुद्धि का पर्व है। यह समय आत्मसंयम और माँ की आराधना का होता है, जिससे हमें सकारात्मक ऊर्जा मिलती है।अखंड ज्योत और घट स्थापना का विशेष महत्व है, जो माँ दुर्गा की कृपा को आमंत्रित करता है।

नौ दिनों तक होंगे विशेष आयोजन,,,,मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि पूरे नौ दिन तक विशेष धार्मिक अनुष्ठान किए जाएंगे।इसमें नित्य हवन भजन-कीर्तन,दुर्गा सप्तशती पाठ और कन्या पूजन का आयोजन होगा।मंदिर में राम नवमी के दिन भव्य हवन और महाआरती भंडारा के साथ नवरात्रि का समापन किया जाएगा।

मंदिर समिति ने सभी श्रद्धालुओं से संपूर्ण नवरात्रि के दौरान माता के दरबार में आकर दर्शन करने और धार्मिक आयोजनों में भाग लेने की अपील की।इस दौरान भक्तों की सेवा के और जल व्यवस्था भी की जाएगी।माँ दुर्गा की भक्ति में डूबे श्रद्धालु इस पर्व को बड़े उत्साह और आस्था के साथ मना रहे हैं। गरियाबंद का शिव दुर्गा मंदिर इन दिनों भक्तों के जयकारों और भजन-कीर्तन से गूंज रहा है, जो एक दिव्य और पवित्र वातावरण का सृजन कर रहा है।

विबी-जी-राम-जी विकसित भारत 2047 की दिशा में एक सशक्त कदम है- गणेश शंकर मिश्रा

कवर्धा में ग्रामीण भारत का परिवर्तनकारी बदलाव पर मीडिया कार्यशाला आयोजित।

कवर्धा। भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अधीन पत्र सूचना कार्यालय (छग) रायपुर द्वारा 19 मार्च को कवर्धा में एक दिवसीय मीडिया कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष गणेश शंकर मिश्रा और विशिष्ट अतिथि कवर्धा कलेक्टर गोपाल वर्मा थे।

मुख्य अतिथि श्री मिश्रा ने कहा कि विबी-जी-राम-जी मात्र एक रोजगार देने वाली योजना नहीं है, बल्कि ग्रामीण आबादी के संपूर्ण आजीविका परिदृश्य के कायाकल्प के लिए तैयार की गई एक महत्वाकांक्षी पहल है। उन्होंने बताया कि गांवों में खेती किसानी के समय में विशेष रूप से 60 दिनों तक काम बंद रहेगा, जिससे खेती कार्य के लिए भी आसानी से मजदूर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि चूंकि भारत की 73 प्रतिशत से अधिक आबादी आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है, इसलिए यह योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। श्री मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक दूरदर्शी नेता हैं और यह योजना उनके विकसित भारत 2047 की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने कहा कि यह योजना ग्रामीण परिवारों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके तहत 125 दिनों का गारंटीकृत रोजगार मिलेगा। श्री वर्मा ने जनसहभागिता को इस योजना की सफलता का प्रमुख आधार बताया। उन्होंने कहा कि यह योजना मनरेगा के स्थान पर लागू की जा रही है और इससे रोजगार के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में समग्र विकास को नई गति मिलेगी। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से जिले में विकास कार्यों में तेजी आएगी और विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में यह योजना अहम भूमिका निभाएगी।

कार्यशाला का समापन स्थानीय पत्रकारों के साथ संवाद के साथ हुआ, जिसमें केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम जन तक पहुँचाने में मीडिया की भूमिका पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में कवर्धा जिले के प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया के अनेक प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ / स) संभाग बालोद

ज्ञाप क्रमांक 1246/व.ले.लि./2025-26/ बालोद, दिनांक 17/03/2026

-:: भाव पत्र ::-

वित्तीय वर्ष 2026-27 एवं 2027-28 में लोक निर्माण विभाग (भ / स) संभाग बालोद के कार्यक्षेत्र अंतर्गत व्ही.आई.पी. आगमन एवं शासकीय कार्यक्रमों के आयोजन हेतु किराया भंडार सामग्री के भाव पत्र (कोटेशन) रजिस्टर्ड/ स्पीड पोस्ट के द्वारा बंद लिफाफे में आमंत्रित की जाती है। इच्छुक योग्य टेंट हाऊस प्रतिष्ठान निम्नानुसार तिथि में आवेदन प्रस्तुत कर सकते है, विवरण निम्नानुसार है :-

1. आवेदन प्रस्तुत करने की तिथि - 06/04/2026
2. कोटेशन प्रस्तुत करने की तिथि - 15/04/2026
3. कोटेशन खोलने की तिथि - 16/04/2026

आवेदन पत्र के साथ निम्नानुसार दस्तावेज 'प्रमाण पत्र की प्रति प्रस्तुत करना आवश्यक होगा-

1 करोड़ रूपये का एकल कार्य का कार्यानुभव होना चाहिए।
2. पिछले 5 वर्ष में किसी 1 वर्ष में 5 करोड़ का टर्नओवर होना चाहिए।
3. निविदा में भाग लेने के लिए रू. 20,000 /- का Vender Empanelment Fees (जो वापसी योग्य नहीं होगी) राशि जमा करना पड़ेगा।
4. निविदा में फर्म का गुमास्ता पंजीयन, आयकर चुकता प्रमाण पत्र या विगत 3 वर्षो का आयकर रिटर्न (फार्म 16) जी.एस.टी. की पंजीयन प्रमाण पत्र ISO प्रमाण-पत्र तथा पैन कार्ड की स्व प्रमाणित छायाप्रति प्रस्तुत करना होगा।
5. उपलब्ध सामग्री की सूची invoice सहित प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
6. निविदा संबंधी अन्य शर्ते विभागीय वेबसाईट छ.ग. शासन लो.नि.वि. की वेबसाईट https://pwd.cg.nic.in/ के नोटिस बोर्ड में उपलब्ध है।

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. बालोद संभाग बालोद

G-252607256/2

कार्यालय नगर पालिक निगम दुर्ग

नामांतरण सूचना विज्ञप्ति क्रमांक 55 वर्ष 2025-26

सर्व साधारण को सूचना दी जाती है कि छ.ग. नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 धारा 167 के अंतर्गत निम्नालिखित व्यक्तियों के उनके नाम के सामने भुमि/भवन स्वामित्व परिवर्तन हेतु आवेदन किया है।

संबंधित हित वाले व्यक्ति सूचना प्रकाशन के 15 दिनों के अंदर अपने आपत्ति लिखित में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। समयावधि के पश्चात आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

क्रं	ना.प्र.क्र.	क्रेता का नाम	विक्रेता का नाम	वार्ड क्रमांक	नाम परिवर्तन का आधार जिस पर दावा/आपत्ति की जाती है
1224	1224	दीप कोसे/स्व.मन्नूलाल कोसे	मन्नूलाल कोसे/ चैतुराम कोसे	वार्ड क्र.59 कातुलबोर्ड (पूर्व) दुर्ग	बंटवारानामा
1225	1225	पूजा चन्द्राकर/रूपेन्द्र कुमार चन्द्राकर	मोहम्मद सलाउद्दीन/खुश मोहम्मद	वार्ड क्र.43, कसारीडीह (पूर्व) दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1226	1226	पानो बाई/बंटू राम	लाखो बाई/स्व.दुखुराम मेहंदीभाई समनानी/ स्व.जमाल भाई समनानी	वार्ड क्र.22, स्टेशन पारा दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1227	1227	लुकेश कुमार /सोमन लाल	रफीउल्लाह/कलीमुल्लाह	वार्ड क्र. 53,पोटियाकला (उत्तर) दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1228	1228	बलवीर कौर/रणजीत सिंह	चनन कौर/हरभजन सिंह	वार्ड क्र. 24, आमदी मंदिर वार्ड दुर्ग	वसीयतनामा,फार्म बी।, पी।।
1229	1229	मधु/ विनोद कुमार चंद्रवंशी	रंजीत कौर सोनी/इंद्रपाल सिंह सोनी	वार्ड क्र.59, कातुलबोर्ड (पूर्व)दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1230	1230	ज्योति राजपूत / निरंजन सिंह राजपूत	निकिती गुप्ता/विवेक गुप्ता	वार्ड क्र.13, मोहन नगर,(पूर्व) दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1231	1231	सुजाता करण/ देवेन्द्र नाथ करण	यूनिवर्सल एसोसिएट्स पार्टनर दिनेश कुमार मिश्रा / स्व. बृजभूषण मिश्रा	वार्ड क्र.21, तितुरडीह, दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1232	1232	हिमांशु अग्रवाल / यादवेंद्र कुमार अग्रवाल	बसंत कटारिया / स्व. चम्पालाल कटारिया, डॉ स्मृति गोस्वामी / एम.जी. गोस्वामी	वार्ड क्र.54 पोटियाकला, दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1233	1233	सुरभी सुनय शिरोड / सुनय मधुकर शिरोड, सुनय मधुकर शिरोड / स्व. मधुकर शिरोड	उत्तरा निषाद/यादो कुमार निषाद	वार्ड क्र.52, बोरसी,(दक्षिण) दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1234	1234	जय कुमार पनरिया / डोमेन्द्र दास पनरिया	पद्मिनी ठाकुर/ रामपाल सिंह ठाकुर	वार्ड क्र.11,शंकर नगर (पश्चिम), दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1235	1235	माधुरी गुप्ता / आनंद सिंह गुप्ता	शशिकला धोरपकर/ स्व.एम.जी. धोडपकर	वार्ड क्र.53,पोटियाकला(उत्तर) दुर्ग	हकत्याग पत्र
1236	1236	हर्षा मांढरे / मिलिंद मांढरे	माधवी तिवारी/अशोक कुमार तिवारी	वार्ड क्र.20,शहीद भगत सिंह(उत्तर) दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1237	1237	ऐनू दास बंजारे / अनंदी बंजारे	शैलजा मुरली/मुरली कुमार वी.एस.	वार्ड क्र.50,बोरसी(पूर्व) दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1238	1238	संजीव कुमार गुहा / एम.एस. गुहा	अनुराग अग्रवाल/अभय अग्रवाल	वार्ड क्र.54,पोटियाकला(दक्षिण) दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1239	1239	रीता आग्नेय / राजेश कुमार आग्नेय	पल्लवी सिंह/संकल्प बहादुर सिंह	वार्ड क्र.54,पोटियाकला(दक्षिण) दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1240	1240	देवनारायण साहू / स्व. अधिक लाल साहू	रीता घोष/प्रदीप कुमार घोष	वार्ड क्र.46, पद्मनाभपुर, (पूर्व)दुर्ग	सम्पदा अधिकारी छ.ग.गृह निर्माण मंडल प्रक्षेत्र दुर्ग के आदेश दिनांक 10.03.2022
1241	1241	सी. एच. डेविडराज / स्व. चंदालाबाड़ा एलइय्या	आजाद कुमार / स्व. चंदालाबाड़ा एलइय्या	वार्ड क्र.59, कातुलबोर्ड(पूर्व) दुर्ग	बंटवारानामा
1242	1242	नलिनी जायसवाल/आकाश जायसवाल	नीतू सिंह/अवनि कांत सिंह	वार्ड क्र.16 सिकोला बस्ती (उत्तर) दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1243	1243	निशांत कुमार ताम्रकार/ लाल चंद ताम्रकार	लालचंद /बिहारीलाल ताम्रकार	वार्ड क्र.16, सिकोला बस्ती (उत्तर) दुर्ग	दानपत्र
1244	1244	वंदना वर्मा/स्व.सुधीर वर्मा,ऋचा वर्मा/स्व. सुधीर वर्मा	सुधीर वर्मा/पी.आर.वर्मा	वार्ड क्र.21 तितुरडीह दुर्ग	मृत्यु प्रमाण पत्र फार्म बी।,पी।।
1245	1245	रामदयाल साहू/स्व.नान्हू राम साहू,पारस कुमार साहू/रामदयाल साहू,विपुल कुमार साहू,/राम दयाल साहू,राज जयश्री साहू/राम दयाल साहू	लिलेश्वरी साहू/राम दयाल साहू	वार्ड क्र.39 कचहरी वार्ड दुर्ग	तहसीलदार दुर्ग छ.ग. का आदेश पारित दिनांक 18.04.2023
1246	1246	आशा उमरे/किशोर कुमार उमरे	मो.हकीम/मो.हुसैन	वार्ड क्र.27 पोलसायपारा दुर्ग	सेल सर्टिफिकेट, फार्म बी। पी।।
1247	1247	मोनिका ठाकुर/धनुष कुमार	पुरूषोत्तम/गोमा जी सयाम	वार्ड क्र.59 कातुलबोर्ड (पूर्व)दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1248	1248	विरेन्द्र कुमार दुबे/दमन लाल दुबे	ज्योति मालवीय/महेश मालवीय	वार्ड क्र.13 मोहन नगर(पूर्व)दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1249	1249	शीतल शर्मा/नितिन शर्मा	सुबोध शर्मा/मोहन लाल शर्मा	वार्ड क्र.60 कातुलबोर्ड (पश्चिम) दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1250	1250	कमलेश दास वैष्णव/दामोदर दास वैष्णव,टाकेश्वरी वैष्णव/ कमलेश दास वैष्णव	कामिनी चन्द्राकर/राजेश चन्द्राकर	वार्ड क्र.53 पोटियाकला (उत्तर) दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1251	1251	राहुल तिवारी/रामबहोरन तिवासी	अम्बा देवी शर्मा/अशोक कुमार शर्मा	वार्ड क्र.56 बघेरा दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1252	1252	भीषम लाल देवांगन/स्व.श्याम लाल देवांगन	पूनाराम/जयराम साहू,हेमंत कुमार साहू/ स्व.पूना राम साहू,राजेश कुमार साहू/ स्व.पूना राम साहू	वार्ड क्र.41 केलाबाड़ी दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1253	1253	प्रीति गुप्ता/विष्णु प्रसाद गुप्ता	श्रीपाल जैन/स्व.श्याममल जैन,मंजु देवी जैन/श्रीपाल जैन	वार्ड क्र.36 गंजपारा दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1254	1254	नंद कुमार/लाल सिंह	अरूण कुमार यदु/लाल सिंह यदु	वार्ड क्र.42 कसारीडीह(पश्चिम) दुर्ग	ऋण पुस्तिका,फार्म बी।,पी ।।
1255	1255	नित्यानंद साहू/माखन लाल साहू	जानकी दुलारी/दुलार सिंह,अनिल कुमार भारदिया/दुलार सिंह भारदिया	वार्ड क्र.46 पद्मनाभपुर(पूर्व) दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1256	1256	गिरीश कुमार देवांगन/बाबूलाल देवांगन	मनबोध साहू/राम प्रसाद साहू,तीरथ बाई/मनबोध साहू	वार्ड क्र.58 उरला(पूर्व) दुर्ग	पंजीकृत बयनामा

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, दुर्ग

संक्षिप्त-खबर

रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता में नेवई की टीम चैंपियन

पाटन (समय दर्शन)। इलेवन स्टार क्रिकेट टीम आमापेन्डी द्वारा आयोजित रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का सफ्लतापूर्वक समापन हुआ। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए नेवई की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि झीट टीम द्वितीय, टाटीबंद तृतीय एवं गब्दी टीम चतुर्थ स्थान पर रही। समापन समारोह के मुख्य अतिथि कमलेश चन्द्राकर (मंडल अध्यक्ष, भाजपा अमलेश्वर) रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रमाकांत यादव (अध्यक्ष, धान मंडी सावनी) ने की। विशेष अतिथियों के रूप में टिकेन्द्र वर्मा (भाजपा युवा नेता, पाटन), देवेश वर्मा, बिशेश्वर यादव एवं ओमकार विश्वकर्मा उपस्थित रहे। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष तोखन वर्मा, इलेवन स्टार क्रिकेट टीम के सभी खिलाड़ी एवं ग्रामवासी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। प्रतियोगिता के सफ्ल आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना की गई।

शीतला मंदिर प्रांगण में जल समस्या के समाधान हेतु बोर खनन कार्य शुरू

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत ढौर में स्थित शीतला मंदिर प्रांगण में लंबे समय से चली आ रही पानी की समस्या को देखते हुए आज बोर खनन कार्य कराया गया। ग्रामीणों को पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह पहल की गई। इस अवसर पर हरे गांव की सरपंच मेघा यशवंत ठाकुर सहित पंचायत प्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पंच कुसुम साहू, सत्यज्ञान सपहा, अविनाश मिश्रा, सुधीर ठाकुर, किशन साहू एवं बंटी साहू की विशेष उपस्थिति रही। ग्रामीणों ने इस कार्य के लिए पंचायत का आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि अब क्षेत्र में जल समस्या से राहत मिलेगी।

प्राण घातक हमला करने वाला आरोपी आरोपी 12 घण्टा के अंदर गिरफ्तार

बालोद (समय दर्शन)। मामले की संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थिया श्रीमती रामबाई साहू पति पुरूषोत्तम लाल साहू उम्र 62 साल साकिन बगदई थाना गुरूर ने दिनांक 17.03.2026 को थाना आकर रिपोर्ट दर्ज करायी कि दिनांक 17.03.2026 के सुबह 07.00 बजे यह अपने पति पुरूषोत्त साहू के साथ अपने खेत से चना व सरसों के फसल लाने के लिए खेत जा रहे थे कि गांव के पुलस्तनंदन साहू द्वारा मेरे खेत के चने में क्यों चल रहे हो कहकर आक्रोष में आकर अश्लील गाली गलौच कर जान से मारने की नियत से अपने हाथ में रखे बेर के लकड़ी के खुंटा से पुरूषोत्तम लाल साहू के सिर में प्राण घातक हमला कर दिया दिया, जिससे पुरूषोत्तम साहू बेहोस हो गया, जिसे ग्रामीणों के सहयोग से ईलाज हेतु सीएचसी गुरूर लाये थे, जिसे धमतरी रिफर किये है की रिपोर्ट पर धारा सदर का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। प्रकरण गंभीर प्रवृत्ति का होने से श्रीमान पुलिस अधीक्षक श्री योगेष कुमार पटेल के निर्देषन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोनिका ठाकुर तथा एस.डी.ओ.पी. गुरूर श्रीमती माया शर्मा के मर्गदर्षन में थाना प्रभारी गुरूर सुनील तिर्की नेतृत्व एवं प्रभारी अधिकारी सीन ऑफक्राईम युनिट बालोद सुश्री ओसीन बजरंग के हमराह घटना स्थल निरीक्षण किया गया। जहां घटना स्थल पर उपलब्ध भौतिक साक्ष्य खूनआलूदा मिट्टी, सादी मिट्टी, खूनआलूदा ईयर बर्ड एवं सादी ईयर बर्ड को जप्त किया गया। प्रकरण के आरोपी पुलस्तनंदन साहू को अभिरक्षा में लेकर धारा 23(2) साक्ष्य अधिनियम 2023 के तहत मेमोरेण्डम कथन लिया जिन्होने घटना में प्रयुक्त बेर की लकड़ी के खुंटा को रास्ते में खेत में फेंक देना बताने से बेर की लकड़ी को जप्त किया गया है, प्रकरण के आहत पुरूषोत्तम लाल साहू क्रिष्चियन अस्पताल धमतरी में भर्ती है जिससे पूछताछ कर कथन लिया गया है, आरोपी पुलस्तनंदन साहू पिता स्व. गयाराम साहू उम्र 45 साल साकिन बगदई थाना गुरूर द्वारा अपराध घटित करना सबूत पाये जाने से दिनांक 17.03.2026 के 22.00 बजे गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा गया है। उक्त आरोपी की गिरफ्तारी एवं विवेचना में निरीक्षक सुनील कुमार तिर्की थाना प्रभारी गुरूर, सउनि कुलेष्वर यादव, सउनि हरखराम बघेल, प्र.आर. वेदराम कोर्राम, एवन साहू, आरक्षक कोमल साहू, विवेक सिन्हा चन्द्रकांत यादव, दिनेष नेताम एवं अन्य स्टॉप थाना गुरूर की विषेष भूमिका रही।

कलेक्टर ने निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज का किया निरीक्षण

जून तक पूर्ण करने के निर्देश

महासमुन्द(समय दर्शन)। महासमुन्द कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज भवन का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को निर्देश दिए है कि किसी भी स्थिति में मेडिकल कॉलेज भवन का निर्माण कार्य आगामी जून माह तक पूर्ण किया जाए।

इस दौरान अधिकारियों ने जानकारी दी कि मेडिकल कॉलेज भवन का लगभग 80 प्रतिशत निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है तथा शेष कार्य तेजी से किया जा रहा है। इस पर कलेक्टर ने संतोष व्यक्त करते हुए शेष कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने परिसर में निर्माणाधीन विभिन्न घटकों में मेडिकल कॉलेज भवन, डॉक्टर एवं स्टाफ क्वार्टर, गर्ल्स एवं बॉयज् हॉस्टल, प्रशासनिक कार्यालय तथा फैकल्टी कार्यालय का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता बनाए रखने, समय-सीमा का पालन सुनिश्चित करने तथा कार्य में और अधिक

गति लाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को नियमित रूप से स्थल निरीक्षण कर कार्यों की सतत मॉनिटरिंग करने तथा निर्माण एजेंसी को पर्याप्त श्रमिकों और आवश्यक निर्माण सामग्री उपलब्ध रखने के निर्देश दिए, ताकि कार्य निर्धारित समय में पूर्ण हो सके।

निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत खरोरा की सरपंच श्रीमती वीणा चंद्राकर ने किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मेडिकल कॉलेज परिसर के बाहर से अप्रोच रोड निर्माण की मांग रखी। इस पर कलेक्टर ने आश्वस्त किया कि उक्त कार्य को शासन स्तर पर शीघ्र पूर्ण कराया जाएगा, जिससे क्षेत्र के किसानों एवं आमजन को आवागमन में सुविधा मिल सके। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आई. नागेश्वर राव, मेडिकल कॉलेज के एमएस डॉ. बसंत माहेश्वरी, एसडीएम सुश्री अक्षा गुप्ता, सब इंजीनियर लेखराज, साइट इंजीनियर सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। निर्माण कार्य से संबंधित एजेंसियों में एम/एस कल्याण टोल इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड तथा ब्रिज एंड रूफकंपनी (इंडिया) लिमिटेड के प्रतिनिधि रूपेश बिसेन एवं आशीष कुमार साहू भी मौजूद रहे।

वैभव ग्लास एंड एल्युमिनियम में चोरों का धावा, गल्ला से 50 हजार से अधिक रकम लेकर हुए फरार

वेंटिलेशन के रास्ते चोरों ने दुकान में किया प्रवेश, सीसीटीवी फुटेज में तीन आरोपियों की संलिप्तता उजागर

गैरेज लाईन मालवा होटल के पास लगातार बढ़ रही है चोरी की घटनाएं, व्यवसायियों में दहशत

दुर्ग (समय दर्शन)। जीई रोड गैरेज लाईन में चोरी की बड़ी घटना सामने आई है। जिससे क्षेत्र के व्यवसायियों में दहशत का माहौल व्याप्त है। यहां मालवा होटल के पास स्थित वैभव ग्लास एंड एल्युमिनियम की दुकान में चोरों ने धावा बोलकर गल्ला में रखे 50 हजार से अधिक नगद रकम पर हाथ साफ कर फरार हो गए। यह घटना 16 और 17 मार्च की दरम्यानी रात की बताई गई है। चोर दुकान के वेंटिलेशन के

रास्ते प्रवेश किए। इसके लिए चोरों द्वारा वेंटिलेशन में लगे एक्जास्ट फैन को तोड़ा गया और चोरी की घटना को अंजाम दी। चोरों का फिलहाल कुछ पता नहीं चल पाया है,लेकिन चोरों की यह करतुत दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। सीसीटीवी कैमरे से मिले फुटेज के आधार पर चोरी की घटना में तीन युवकों के शामिल होने का पता चला है। उनकी उम्र 17 से 20 वर्ष की बताई गई है। चोरों तक पहुंचने पुलिस सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही है। इस मामले में दुकान संचालक दर्शन रतनानी की रिपोर्ट पर मोहननगर पुलिस द्वारा अज्ञात चोर के विरुद्ध बीएनएस की धारा 331(4) व 305 के तहत जुर्म दर्ज कर मामले को जांच पर लिया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक वैभव ग्लास एंड एल्युमिनियम दुकान का संचालन दर्शन रतनानी संत कंवरनगर सिंधी कॉलोनी वार्ड 24 का निवासी है। वह 16 मार्च की रात प्रतिदिन की तरह रात्रि 8 बजे अपने दुकान के शटर में ताला लगाकर वापस घर आ गया था। 17 मार्च की सुबह करीब 10 बजे उसने दुकान खोली तो उसे दुकान के पिछले हिस्से में लगे वेंटिलेशन का एक्जास्ट फैन टुटा व लटकते अवस्था में मिला। वहीं दराज का ताला टुटा मिला और उसमें रखा 50 हजार से अधिक नगदी रकम गायब मिला। यह देखकर दुकान संचालक को समझते देर नहीं कि रात में दुकान में चोरी हो गई है। उसके द्वारा तत्काल घटना की सूचना मोहननगर पुलिस थाना को दी गई। रिपोर्ट पर पुलिस द्वारा अज्ञात चोर के विरुद्ध जुर्म दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी गई है।

क्षेत्र के व्यवसासियों ने बताया कि जीई रोड गैरेज लाईन शहर के व्यवसायिक क्षेत्रों में से एक है। मालवा होटल के पास यह चोरी की पहली घटना नहीं है। इसके पहले भी क्षेत्र में चोरी की घटनाएं सामने आ चुकी है, लेकिन चोरों के पकड़े नहीं जाने से उनके हौसले बुलंद है। जिसके चलते वे चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे है। ऐसे चोरों पर शिकंजा कसने पुलिस को पेट्रोलिंग गश्त बढ़ाने की आवश्यकता है।

खनिज विभाग की दबिश, 13 वाहन पर कार्रवाई

दुर्ग (समय दर्शन)। खनिज महकमा ने पिछले दो दिनों में अवैध खनिज परिवहन के मामले ताबड़ कार्रवाई कर इससे जुड़े लोगों पर शिकंजा कसा है दो दिनों में विभाग की टीम ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में दबिश देकर अवैध खनिज परिवहन कर रहे 13 वाहनों को पकड़ कर कार्रवाई की हैं पकड़े गए इन वाहनों पर लगभग 4 लाख रुपए का जुर्माना प्रस्तावित किया है

जानकारी के अनुसार इन दिनों निर्माण कार्य में तेजी आने के साथ इसमें लगने वाले विभिन्न प्रकार के खनिज की अवैध उत्खनन व परिवहन की शिकायतें बढ़ गई कलेक्टर ने अवैध खनिज उत्खनन व परिवहन मामले सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं इस पर जिला खनिज अधिकारी दीपक मिश्रा के मार्गदर्शन में सहायक खनिज अधिकारी दीपक तिवारी के नेतृत्व में विभाग की टीम ने जिले के नेवई, अंडा, नंदनी नगर, जामगांव आर थाना क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न जगहों पर खनिज परिवहन कर रहे वाहनों की जांच की गई जांच के दौरान 13 वाहनों में बिना रायल्टी पर्ची के अवैध रूप से खनिज परिवहन करना पाया गया

7 वाहनो में की जा रही थी रेत का अवैध परिवहन- पकड़े गए वाहनों में से सबसे ज्यादा 7 वाहनों में रेत का अवैध परिवहन किया जा रहा था इसी प्रकार 4 में चूना पत्थर तथा 2 वाहनों में बिना रायल्टी के ईंट का अवैध परिवहन करना पाया गया इन सभी वाहनों को खनिज सहित जप्त कर नेवई, नंदनी नगर, जामगांव आर एवं अण्डा पुलिस थाना पुलिस अभिरक्षा में खड़ी कर खनिज एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है

विकासखण्ड बसना के 14 बच्चों का जवाहर नवोदय विद्यालय में हुआ चयन

नवोदय विद्यालय देश के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका-बीईओ जोल्हे

बसना (समय दर्शन)। विकासखण्ड बसना के लिए अत्यंत हर्ष का विषय है कि इस वर्ष जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा में कुल 14 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। इन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत,लगन और अनुशासन के बल पर यह उल्लेखनीय सफ्लता प्राप्त की है।चयनित विद्यार्थियों में शासकीय प्राथमिक शाला करनापाली से प्रियांश साहू व जयंती नेताम, प्राथमिक शाला दुरूगपाली से मानवी प्रधान व तनीषा प्रधान,सरस्वती शिशु मंदिर रसोड़ा यवान टांडी, प्राथमिक शाला उमरिया से राज आर्यन बारीक,अल्फा ओमेगा भंवरपुर से राहुल मैत्री,तुषार चौधरी,आरव पटेल,सरस्वती शिशु मंदिर भंवरपुर से निष्ठा जगत, प्राथमिक शाला पिताईपाली से नीता अजगल्ले,प्राथमिक शाला बिजराभांठा से रोहन पटेल,प्राथमिक शाला गिधली से खिलेश साहू एवं एकलव्य विद्यालय भंवरपुर से पायल खूंटे का चयन हुआ है।विद्यार्थियों के चयन में मार्गदर्शक शिक्षक-शिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

इन सभी विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विकासखण्ड शिक्षा विभाग,समग्र शिक्षा,समस्त शिक्षकगण एवं अभिभावकों द्वारा हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई हैं। यह सफ्लता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत है।

विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी बद्री विशाल जोल्हे ने अपने संदेश में कहा कि- यह उपलब्धि विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत,शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी विद्यार्थी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहेंगे और क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे।आगे उन्होंने कहा कि -नवोदय विद्यालय देश के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए एक उज्जवल मंच प्रदान कर रहे हैं। नवोदय विद्यालय में विद्यार्थियों को नि:शुल्क आवास,भोजन,पुस्तकें, गणवेश एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं,जिससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चे भी उच्च स्तर की शिक्षा प्राप्त कर सकें।

सहायक विकास खंड शिक्षा अधिकारी लोकेश्वर सिंह कॅवर ने बताया कि- भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत संचालित जवाहर नवोदय विद्यालय देश के ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं नि:शुल्क शिक्षा प्रदान करने वाला एक प्रतिष्ठित संस्थान है। नवोदय विद्यालयों में कक्षा छठवीं से बारहवीं तक की शिक्षा सीबीएसई पाठ्यक्रम के अंतर्गत दी जाती है।

विकासखण्ड स्त्रोत केंद्र समन्वयक अनिल सिंह साव ने नवोदय विद्यालय के बारे में बताते हुए कहा कि- नवोदय विद्यालयों की विशेषता उनकी आवासीय व्यवस्था,अनुशासित वातावरण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण एवं समग्र विकास पर विशेष ध्यान होता है। विकासखण्ड बसना से 14 बच्चों का चयन होने पर संकुल समन्वयक आरिफ बेग,डिजेंद्र कुर्रे,वारिस कुमार,गजेंद्र नायक,त्रिकांत बाघ,संतराम बंजारा,सुरेश नंद,जिला शैक्षिक एवं विज्ञान परिषद् के प्रेमचन्द साव,एफएलएन नोडल शरण कुमार दास,विजय कुमार धृतलहरे सहित शिक्षक-शिक्षिकाओं, समन्वयक, प्राचार्य,प्रधान पाठक सहित अन्य लोगों ने नवोदय विद्यालय में चयनित सभी छात्र-छात्राओं व मार्गदर्शक शिक्षक-शिक्षिकाओं को बधाई दिया गया।

ग्राम करगा में मुरूम के अवैध उत्खनन पर कार्रवाई, जेसीबी और हाइवा जब्त

पाटन (समय दर्शन०)। ग्राम करगा में मुरूम के अवैध उत्खनन और परिवहन के मामले में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार, जिला पंचायत दुर्ग की सभापति नीलम राजेश चंद्राकार को इस संबंध में लगातार शिकायतें मिल रही थीं।

शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने राजस्व विभाग को सूचना दी। इसके बाद नायब तहसीलदार भूपेंद्र सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और अवैध उत्खनन करते हुए जेसीबी मशीन और मुरूम परिवहन में लगे हाइवा वाहन पर कार्रवाई की।

मौके पर अमलेश्वर थाना की पुलिस टीम भी पहुंची और कार्रवाई में सहयोग किया। प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध खनन करने वालों में हड़कंप मच गया है। राजस्व विभाग ने बताया कि मामले की जांच जारी है और दोषियों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रसोई गैस की किल्लत से जूझ रहे जिले वासी

सुबह से एजेंसी कार्यालयों पर लग रही लंबी कतारें

महासमुन्द (समय दर्शन)। वर्तमान में चल रहे विश्व युद्ध के असर से देशभर में रसोई गैस आपूर्ति प्रभावित होने लगी है, जिसका असर अब छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में भी साफ दिखाई दे रहा है। जिले में रसोई गैस की किल्लत बढ़ने से आम उपभोक्ता खासे परेशान नजर आ रहे हैं। सुबह होते ही लोग खाली सिलेंडर लेकर गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतार में खड़े होकर अपने नंबर का इंतजार कर रहे हैं ताकि किसी तरह उनके घर का चूल्हा जल सके।

एजेंसियों के बाहर लग रही लंबी कतार- 45 दिनों के अंतराल पश्चात ही दूसरा भरा सिलेण्डर मिल रही है। महासमुंद जिले में विभिन्न कंपनियों की कुल 17 गैस एजेंसियां संचालित हैं।जहां लगभग 2 लाख 86 हजार 387 उपभोक्ता पंजीकृत हैं। इनमें 2 लाख 4 हजार 570 उज्ज्वला योजना के लाभार्थी और 77 हजार 410 सामान्य उपभोक्ता शामिल हैं।

उपभोक्ताओं का कहना है कि उन्हें गैस पाने के लिए लगातार दो-तीन दिनों तक एजेंसी आकर नंबर लगाना पड़ रहा है, जिसके बाद कहीं जाकर सिलेंडर मिल पा रहा है।

इस मामले में गैस एजेंसी संचालकों का कहना है कि जिले में गैस की उपलब्धता है, लेकिन सर्वर डाउन होने के कारण वितरण प्रक्रिया प्रभावित हो रही है, जिससे उपभोक्ताओं को असुविधा हो रही

है। खाद्य अधिकारी के अनुसार जिले की 17 एजेंसियों में वर्तमान में 1923 भरे सिलेंडर उपलब्ध हैं। हालांकि पिछले महीने की तुलना में उपभोक्ताओं की मांग में अचानक बढ़ोतरी होने से यह स्थिति निर्मित हुई है।

सप्लाई बनाम मांग का बड़ा अंतर- अगर एक एजेंसी प्रतिदिन औसतन 300 सिलेंडर वितरित करती है तो जिले में रोजाना लगभग 5100 सिलेंडर की आवश्यकता होती है, जबकि मौजूदा समय में स्टॉक मात्र 1923 सिलेंडर ही है। इससे सप्लाई और मांग के बीच बड़ा अंतर सामने आ रहा है।

होम डिलिवरी चार्ज पर भी उठ रहे सवाल- जिले में 14.5 किलो के गैस सिलेंडर की कीमत 985 रुपये तय है, जिसमें 30 रुपये होम डिलिवरी चार्ज शामिल है। लेकिन उपभोक्ताओं का आरोप है कि वे स्वयं एजेंसी जाकर सिलेंडर ले रहे हैं, इसके बावजूद उनसे होम डिलिवरी चार्ज लिया जा रहा है। नियमानुसार स्वयं सिलेंडर ले जाने पर यह राशि वापस की जानी चाहिए, लेकिन न तो एजेंसियां होम डिलिवरी दे पा रही हैं और न ही चार्ज वापस कर रही हैं।

जिले के उपभोक्ताओं में बढ़ रही है नाराजगी- लगातार बढ़ती परेशानी और अनिश्चितता के बीच उपभोक्ताओं में नाराजगी बढ़ना स्वाभाविक है। लोगों का कहना है कि अगर जल्द ही गैस आपूर्ति व्यवस्था नहीं सुधरी तो आने वाले दिनों में संकट और भी भयावह हो सकता है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर मकान नं.-107, वार्ड नं. 26, मदर टेरेसा वार्ड, जगदलपुर, जिला-बस्तर (छ.ग.)- 494001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, मो. 9827104452, दुर्ग कार्यालय- फोन नं.-0788-4051213, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CTHIN/26/A1375